दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादक: अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 | वर्ष 31 | अंक 108 | नई दिल्ली | सोमवार 20 अप्रैल, 2026 | मूल्य एक रुपया | कुल पृष्ठ: 8 | फोन 97111 01161 | ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

जवान की गोली लगने से मौत

जयपुर, 19 अप्रैल (निस) जयपुर सेंट्रल जेल में रविवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई, जहां राजस्थान आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी (रेक) के एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान गिरधारी के रूप में हुई है, जो जेल परिसर में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे।पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 11 बजे की है।

अशोक खरात के करीबी की हादसे में मौत

नासिक, 19 अप्रैल (निस) महाराष्ट्र के नासिक से जुड़े चर्चित और संवेदनशील मामले में फर्जी ज्योतिषी अशोक खरात के करीबी सहयोगी जितेंद्र और उनकी पत्नी अनुराधा शेल्के की संदिग्ध सड़क हादसे में मौत हुई है। यह दुर्घटना समृद्धि महामार्ग पर कोपरगांव तालुका के पास हुई।

राज्यपाल पंजाब ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान बिल को दी मंजूरी

सीएम मान ने जताई खुशी, कहा-वाहेगुरु जी का शुक्राना, भाजपा ने भी स्वागत किया

चंडीगढ़ 19 अप्रैल (निस) राज्यपाल पंजाब श्री गुलाब चंद कटारिया ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान संशोधन बिल को आज मंजूरी दे दी जिसका सभी सियासी दलों एवं धार्मिक संगठनों ने स्वागत किया एवं धर्म की रक्षा के लिए इसे एक प्रभाव शाली कदम बताया।

भाजपा ने किया स्वागत-भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान संशोधन बिल 2026 को मंजूरी देने के लिए पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया का धन्यवाद करते हुए सरकार से मांग की है कि सभी धर्मों से संबंधित बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए जो कानून का मसौदा सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया है, उसे भी जल्द विधानसभा में लाया जाए ताकि सभी धर्मों की बेअदबी रोकने संबंधी कानून बनाया जा सके।इस संबंध में अपने एक सोशल मीडिया संदेश में सुनील जाखड़ ने लिखा, माननीय राज्यपाल पंजाब श्री गुलाब चंद कटारिया जी का जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान संशोधन बिल 2026 को मंजूरी देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस कानून के बनने के बाद बेअदबी की घटनाएं करने वालों को अब सख्त सजा मिलेगी। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि सभी धर्मों से संबंधित बेअदबी रोकने के लिए जो कानून का मसौदा सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया है, पंजाब सरकार उसे भी जल्द विधानसभा में लाए ताकि सभी धर्मों की बेअदबी रोकने संबंधी कानून बन सके। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस कानून के पारित होने से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने वालों को सख्त सजा देने का रास्ता साफ हो गया है। साथ ही उन्होंने पंजाब सरकार से उस कानून के मसौदे को भी विधानसभा में लाने की अपील की, जिसे पिछले वर्ष विधानसभा सत्र के दौरान विचार के लिए सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया था। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठित मूर्तियों और हिंदू धर्म सहित सभी धर्मों के धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी रोकने के लिए भी कानून बनाया जाना चाहिए, क्योंकि समाज में विभाजन पैदा करने वाली ताकतें पिछले समय में ऐसी निंदनीय हरकतें करती रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को अब उक्त कानून को भी जल्द विधानसभा में पेश कर कानून बनाना चाहिए, जिसकी मांग सर्व धर्म समाज द्वारा की जा रही है।

मंजूरी के बाद बेअदबी विरोधी बिल पंजाब में बना कानून :

कुलतार शेष अंतिम पृष्ठ पर

बंगाल में चुनावी रैलियों में विपक्ष पर बरसे पीएम

महिलाओं की सत्ता में भागीदारी बढ़ाना हमारा संकल्प, लक्ष्य को हासिल करेंगे-पीएम मोदी

कोलकाता, 19 अप्रैल (निस) पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर में पीएम मोदी ने टीएमसी पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद में महिला आरक्षण बिल पास कराने के समय टीएमसी ने कांग्रेस के साथ मिलकर इसका विरोध किया, जिससे बंगाल की बहनों और बेटियों की उम्मीदों को झटका लगा। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और महिला सुरक्षा को बीजेपी की पहचान बताया और कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की भूमिका बढ़ाना जरूरी है और राजनीति में उनकी भागीदारी भी मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ

पीएम मोदी ने कहा एक तरफ बीजेपी महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर टीएमसी ने इस दिशा में सहयोग नहीं किया। रैली के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश और दुनिया में उनका सम्मान होता है, लेकिन टीएमसी उनके सम्मान को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रपति बंगाल आई थीं, तब जो घटनाक्रम हुआ, उसे पूरे देश ने देखा। इसके साथ ही पीएम ने टीएमसी पर घुसपैठियों को लाभ पहुंचाने और कानून-नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया साथ ही धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोशिश को संविधान की भावना के खिलाफ बताया। सभा में कई जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि मातृ शक्ति भरोसा कार्ड के जरिए बंगाल की हर बहन को साल में 36,000 रुपए दिए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण के रोडमैप को सामने रखते हुए बताया कि राज्य में बीजेपी सरकार बनने पर गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपए की सीधी आर्थिक मदद मिलेगी, वहीं संतान होने पर केंद्र सरकार की ओर से भी 5,000 रुपए की सहायता दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेटियों के भविष्य और उनकी शिक्षा पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने 50,000 रुपए की मदद देने का वादा किया। गरीबों के हक की बात करते हुए मंच से साफ किया गया कि बंगाल की जनता को अब अपने राशन की चिंता करने की जरूरत नहीं, क्योंकि बीजेपी की सरकार आते ही सबको मुफ्त राशन मिलेगा और कोई उसे छीन नहीं पाएगा। इसके साथ ही, सिर पर पक्की छत का सपना पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ मिलेगा।

पंजाबी एक्टर की सड़क हादसे में मौत! फिल्म इंडस्ट्री में छाया मातम

पटियाला 19 अप्रैल (निस) पंजाबी इंडस्ट्री से दुखद खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार उभरते सितारे एक्टर विपिन जोशी की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह गांव भाई की पिशोर का रहने वाला था और उसने मिट्टी ना फरोल जोगिया सहित कई फिल्मों और एक दर्जन से ज्यादा गानों में काम किया था।उसका अंतिम संस्कार बहुत ही गमगीन माहौल में गांव भाई की पिशोर के श्मशान घाट में किया गया।

दिल्ली सीएम रेखा ने विपक्ष की निंदा की

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (निस) दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित नहीं होने के बाद विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके ''महिला विरोधी'' रुख पर उनके निर्वाचन क्षेत्रों की हर महिला सवाल उठाएगी। सीएम गुप्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विपक्ष ने तय कर लिया था कि किसी भी कीमत पर महिलाओं को लोकसभा तक नहीं पहुंचने देंगे। सच यह है कि उन्हें केवल अपने परिवार की महिलाओं की चिंता है, देश की 70 करोड़ महिलाओं की नहीं। सीएम गुप्ता ने दावा किया कि विपक्षी दल इस मुद्दे पर राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 1971 में देश की आबादी करीब 50 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 140 करोड़ हो गई है।

जब 33 प्रतिशत आरक्षण देना ही है तो 543 लोस सीटों में से लागू करें-कांग्रेस

लुधियाना, 19 अप्रैल (निस) महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। इसी बीच पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु की पत्नी और कांग्रेस नेत्री ममता आशु ने एक तीखा पोस्ट डालकर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनके इस पोस्ट ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। ममता आशु ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह महिला आरक्षण की पक्षधर हैं, लेकिन इसके लागू करने के तरीके पर उन्हें आपत्ति है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 33 फीसदी आरक्षण देना ही है, तो यह मौजूदा 543 लोकसभा सीटों में ही क्यों नहीं लागू किया जा रहा। नई सीटें जोड़ने का प्रावधान आखिर क्यों लाया जा रहा है?उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या यह मान लिया जाए कि मौजूदा जनप्रतिनिधि अपनी सीटें छोड़ना नहीं चाहते, इसलिए महिलाओं के लिए अलग से नई सीटों का फॉर्मूला तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर मोदी सरकार की नीयत सच में महिला सशक्तिकरण की है।

अमितशाह ने महिला आरक्षण को लेकर विपक्ष पर विश्वासघात का आरोप लगाया

चेन्नई, 19 अप्रैल (निस) तमिलनाडु के इरोड में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और डीएमके पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान को लेकर दोनों पार्टियों पर महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और विपक्ष की किसी भी साजिश

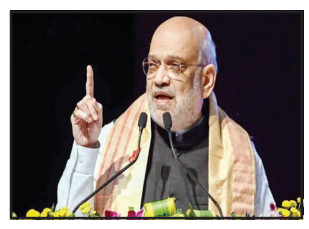

को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण से वंचित करने का काम किया है। चुनावी सभा में शाह ने यह भी कहा कि तमिलनाडु के लिए लोकसभा सीटों में वृद्धि का अवसर था, लेकिन 2026 की जनगणना के आधार पर सीटों के पुनर्निर्धारण की मांग कर कांग्रेस और डीएमके राज्य की सीटें कम करने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी चुनावों के बाद ई.के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार राज्य में बनेगी। यहां पर परिवारवाद के मुद्दा उठाते हुए शाह ने सत्तारूढ़ डीएमके को घेरा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का ध्यान शासन से अधिक अपने बेटे उदयनिधि स्टालिन को

शेष अंतिम पृष्ठ पर

अभिषेक की अमितशाह को मतगणना के दिन कोलकाता आने का न्यौता

कोलकाता, 19 अप्रैल (निस)पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल काफी गर्माया हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुली चुनौती देकर कहा कि अगर उनमें हिम्मत हैं, तब वे 4 मई, यानी मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें। उन्होंने यह बयान पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भगवानपुर में चुनावी रैली के दौरान दिया।टीएमसी महासचिव बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस फिर सत्ता में वापसी करेगी और ममता जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह चुनाव से पहले टीएमसी कार्यकर्ताओं को डराने और धमकाने की कोशिश में जुटी है। उनके अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से संदेश दिया जा रहा है कि तृणमूल कार्यकर्ता घर से बाहर न निकलें, अन्यथा उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। इस पर पलटवार कर अभिषेक ने कहा कि बंगाल की जनता को डराने की हिम्मत किसी में नहीं है।उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि उनके पास ब्लॉक और पंचायत स्तर तक की एक सूची तैयार है, जिसके आधार

शेष अंतिम पृष्ठ पर

सभी राजनीतिक दलों से फिर चर्चा करेगी केन्द्र सरकार

मानसून सत्र में फिर पेश कर सकती है महिला आरक्षण विधेयक

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस): लोकसभा में महिला आरक्षण बिल के असफल होने के बावजूद 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का रास्ता बंद नहीं हुआ है। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सूत्रों के मुताबिक आरक्षण लागू करने के लिए कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। सरकार अब सभी राजनीतिक दलों के साथ व्यापक चर्चा करने जा रही है। यदि जरूरी हुआ तो मानसून सत्र में इस संबंध में नया विधेयक भी पेश किया जा सकता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 131वें

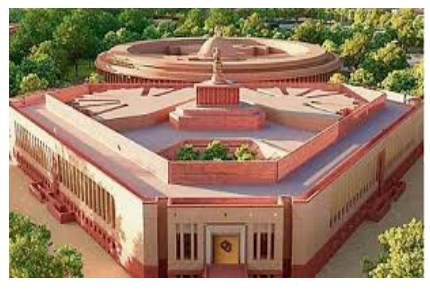

संवैधानिक संशोधन विधेयक के असफल होने के बावजूद केंद्रशासित प्रदेशों और परिसीमन प्रक्रिया से संबंधित दो अन्य विधेयक लोकसभा में अभी भी लंबित हैं। सरकार इन्हें किसी भी समय अपनी सुविधा के मुताबिक मतदान के लिए पेश कर सकती है। परिसीमन के जरिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाई जा सकती है, लेकिन इसके लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। विपक्षी दल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। दूसरा विकल्प है कि कुल सीटों की संख्या 550 पर ही रखते हुए केवल निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदल दी जाएं। इस विकल्प पर राजनीतिक सहमति बनाना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है।वहीं तीसरा विकल्प अनुच्छेद 334ए में बदलाव करके आरक्षण को परिसीमन की शर्त से अलग करना है। इससे मौजूदा 543 सीटों पर ही महिलाओं को आरक्षण दिया जा सकता है। वर्तमान में 2026 तक परिसीमन पर रोक है, जिसके बाद सरकार को इस पर नए सिरे से विचार करना होगा। इन विकल्पों के बीच केंद्र सरकार ने विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक रूप से आक्रामक रुख अपनाने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान सरकार विपक्ष को घेरने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रही है।

इटली में डबल मर्डर-गुरुद्वारा साहिब के गेट के बाहर दो सिखों पर अंधाधुंध फायरिंग

रोम 19 अप्रैल (निस) इटली के कोवो शहर में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। गुरुद्वारा साहिब के बाहर ड्यूटी पर तैनात दो सिख सेवादारों को सरेआम गोलियों से छलनी कर दिया गया। हमलावरों ने अंधाधुंध करीब 10 राउंड गोलियां चलाईं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।मृतकों की पहचान राजिंद्र सिंह (48) और गुरमीत सिंह (48) के रूप में हुई है, जो लंबे समय से गुरुद्वारा साहिब से जुड़े हुए थे और सेवा कार्य संभाल रहे थे। दोनों

सेवादारों को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात दोनों सेवादार गुरुद्वारा साहिब के मुख्य प्रवेश द्वार पर मौजूद थे। इसी दौरान एक कार में सवार आरोपी वहां पहुंचे और बिना किसी बहस या चेतावनी के सीधे फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसी कार में बैठकर फरार हो गए।इटली पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर भारतीय मूल का हो सकता है। सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियां इस हत्याकांड को आपसी रंजिश से जोड़कर देख रही हैं।

लोकसभा में 12 में से 9 विधेयक पारित कर सदन ने 75 प्रतिशत सफलता हासिल की-बिरला

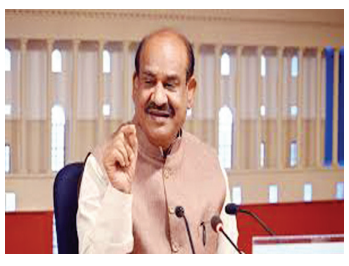

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस): संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को शुरू हुआ था। ये सत्र काफी हंगामेदार रहा, लेकिन इसके बावजूद इसमें खूब काम हुआ। बजट सत्र के बाद महिला आरक्षण पर विचार करने के लिए तीन दिन के विशेष सत्र के आखिरी दिन कोई काम नहीं हुआ और शनिवार सुबह लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए। सत्र में 2026-27 के लिए यूनियन बजट और अलग-अलग मंत्रालयों के लिए ग्रांट और सप्लीमेंट्री ग्रांट की मांगें पास की गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बजट सत्र में कुछ खास कानून भी पास हुए, जिनमें जन विश्वास बिल-2026, ट्रांसजेंडर पर्सन्स अमेंडमेंट बिल-2026, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ बिल 2026 और आंध्र प्रदेश रीऑर्गेनाइज़ेशन बिल-2026 शामिल हैं। विपक्ष के कड़े विरोध के बाद सरकार ने सत्र के दौरान फॉरेन कंट्रीब्यूशन अमेंडमेंट बिल-2026 पर चर्चा नहीं की। बजट सत्र में लोकसभा में 93 फीसदी काम हुआ, जबकि राज्यसभा में 110फीसदी काम हुआ। इस सत्र में केंद्र सरकार में कई काम पहली बार हुए। विपक्ष ने पहली बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का नोटिस दिया, जिसे स्पीकर और राज्यसभा के चेयरमैन ने खारिज कर दिया। विपक्ष के विरोध के बीच पीएम मोदी भी राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब नहीं दे सके। स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस बहस के बाद वॉयस वोट से खारिज हो गया।रिपोर्ट के मुताबिक बजट सत्र के पहले हिस्से में परेशानी तब शुरू हुई जब लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को एक पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड किताब के कुछ हिस्से बताने की इजाज़त नहीं दी गई, जिससे हंगामा शुरु हो गया। इसके कारण आठ विपक्षी सांसदों को बाकी सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया गया। हालांकि सत्र के दूसरे हिस्से में सस्पेंशन वापस ले लिया गया। शनिवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा ने पेश किए गए 12 बिलों में से 9 पास करके 75फीसदी सक्सेस रेट हासिल किया है और 151 घंटे और 42 मिनट में 31 बैठकें हुईं। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि 16 और 17 अप्रैल को संविधान (131वां संशोधन) बिल, 2026, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026, और डिलिमिटेशन बिल, 2026 पर 21 घंटे 27 मिनट से ज़्यादा चर्चा हुई, जिसमें 131 सदस्यों ने अपने विचार रखे। यह संविधान संशोधन बिल सदन से पास नहीं हुआ।लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक रुकावटों और जबरदस्ती स्थगन के कारण 53 घंटे और चार मिनट बर्बाद हुए। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि सत्र के दौरान राज्यसभा ने 157 घंटे और 40 मिनट तक काम हुआ।

विपक्ष ने भाजपा की साजिश नाकाम की-स्टालिन

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (निस) संसद में शुक्रवार को एकजुट विपक्ष ने पीएम मोदी की अंतरात्मा की आवाज पर वोट देने की आखिरी मिनट की अपील और गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। असल में महिला आरक्षण बिल में यह लिखने की बात कही गई थी कि सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या 50फीसदी बढ़ जाएगी। इस पर संसद में एनडीए को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही विपक्ष ने सरकार को 12 साल में पहली बार विधायी हार का सामना करने पर मजबूर कर दिया, क्योंकि प्रस्तावित कानून सदन में जरूरी दो-तिहाई वोट हासिल करने में नाकाम रहा।महिलाओं को आरक्षण देने का वादा करने वाला यह बिल, लोकसभा में दक्षिण के राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम करने, बीजेपी के फायदे के लिए राजनीतिक नक्शा बदलने और जाति जनगणना में देरी करने की एक चाल है। विपक्षी नेता अमित शाह के इस दावे से बिल्कुल भी सहमत नहीं हुए कि प्रस्तावित फ़ॉर्मूले के तहत लोकसभा में दक्षिण के राज्यों का महत्व थोड़ा बढ़ जाएगा

मुख्यमंत्री का आरोप-विपक्ष केवल दिखावा करता है...

महिलाओं के आरक्षण को लेकर कांग्रेस ने सदा बाधा डालने का काम किया-सीएम सैनी

चंडीगढ़, 19 अप्रैल (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में संसद में विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को पास नहीं होने दिया और ऐसा करके सभी विपक्षी पार्टियों ने महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया है। अभी तक कांग्रेस ने महिलाओं को आरक्षण दिलाने के नाम पर केवल दिखावा किया है।मुख्यमंत्री रविवार को रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पश्चिम दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत , भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक समेत अन्य गणमान्य नेता उपस्थित थे।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत 16 व 17 अप्रैल को देश की सर्वोच्च पंचायत में विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल का विरोध करके हमारी बहन-बेटियों के

हक पर डाका डाला है। लोकतंत्र के मंदिर, संसद में जो कुछ भी हुआ, वह न केवल अलोकतांत्रिक था, बल्कि हमारे देश की आधी आबादी के भविष्य पर एक बड़ा प्रहार था। इस प्रकरण ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टी.एम. सी. और डी.एम.के. जैसे विपक्षी दलों का असली चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है।उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब बात महिलाओं को अधिकार देने की आती है, तो उनका असली चरित्र महिला-विरोधी और सत्ता का लोभी हो जाता है। यह महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक अवसर था, लेकिन विपक्ष ने इस अवसर को भी अपनी संकीर्ण राजनीति की भेंट चढ़ा दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 16 अप्रैल 2026 को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन क्रांतिकारी विधेयक पेश किए थे। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक । इन विधेयकों को लाने के पीछे केंद्र सरकार का संकल्प बहुत स्पष्ट था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार, महिला आरक्षण 2026 के बाद होने वाली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होना था। केन्द्र सरकार जानती थी कि यदि हम जनगणना और लंबी परिसीमन प्रक्रिया का इंतजार करते, तो हमारी बहनों को 2029 के आम चुनाव में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता। इसीलिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यह साहसिक निर्णय लिया कि इस आरक्षण को जनगणना की शर्त से अलग किया जाए, ताकि वर्ष 2029 के आम चुनावों में ही हमारी महिला शक्ति संसद में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सके।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं की भागीदारी कोई दया नहीं, उनका अधिकार है। लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने एक बार फिर महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया है। यह देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात था। श्री नायब सिंह सैनी ने सवाल किया कि आखिर विपक्ष महिलाओं के आरक्षण से इतना डर क्यों रहा है? उत्तर स्पष्ट है कि ये दल जानते हैं कि जिस दिन देश की

शेष अंतिम पृष्ठ पर

सम्पादकीय

मिलावट का महाजाल

सूरत के सचिन जीआईडीसी में नकली घी फैक्ट्री का भंडाफोड़ केवल एक स्थानीय अपराध नहीं, बल्कि पूरे देश में फैले मिलावट के संगठित नेटवर्क की गंभीर तस्वीर पेश करता है। 1 किलो शुद्ध घी से 15 किलो नकली घी तैयार करने की तकनीक न सिर्फ कानून का मजाक उड़ाती है, बल्कि आम जनता की सेहत के साथ खुला खिलवाड़ भी है। 'विदुर' जैसे नामों के पीछे छिपा यह जहर देश के कई राज्यों तक पहुंच रहा था, जिससे यह साफ हो जाता है कि मिलावट का कारोबार अब छोटे स्तर की धोखाधड़ी नहीं, बल्कि एक बड़ा और संगठित उद्योग बन चुका है। भारत में खाद्य मिलावट की समस्या नई नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गंभीरता और विस्तार दोनों तेजी से बढ़े हैं। विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, देश में जांच किए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों में से एक बड़ा हिस्सा किसी न किसी रूप में मिलावटी पाया जाता है। कई राज्यों में यह आंकड़ा 20 से 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है, जो बेहद चिंताजनक है। दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाइयां, यहां तक कि फल और सब्जियां भी इस जाल से अछूती नहीं हैं। मिलावट अब केवल गुणवत्ता की कमी नहीं रही, बल्कि यह सीधे-सीधे स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुकी है। मुनाफे की अंधी दौड़ में मिलावटखोरों ने इंसानियत को ताक पर रख दिया है। सूरत के इस मामले में जिस तरह केमिकल, पामोलीन ऑयल और सिंथेटिक फ्लेवर का इस्तेमाल कर नकली घी तैयार किया जा रहा था, वह दिखाता है कि अपराधी कितनी वैज्ञानिक और योजनाबद्ध तरीके से इस काम को अंजाम दे रहे हैं। डॉक्टरों की तरह सिरिंज का इस्तेमाल कर केमिकल की सटीक मात्रा मिलाना इस बात का प्रमाण है कि यह काम केवल अवैध ही नहीं, बल्कि बेहद खतरनाक भी है। ऐसे उत्पाद दिखने और महकने में भले ही असली जैसे लगें, लेकिन इनके सेवन से शरीर के अंदर धीरे-धीरे जहर फैलता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों का सबसे बड़ा खतरा यह है कि इनके दुष्प्रभाव तुरंत दिखाई नहीं देते। यह धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करते हैं और गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। हृदय रोग, किडनी फेल होना, लिवर डैमेज, कैंसर जैसी घातक बीमारियां लंबे समय तक मिलावटी भोजन के सेवन से जुड़ी हुई हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर और भी अधिक खतरनाक होता है, क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। यही कारण है कि मिलावट केवल एक आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। आज स्थिति यह हो गई है कि आम उपभोक्ता के लिए असली और नकली के बीच अंतर करना बेहद मुश्किल हो गया है। आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडेड लेबल और सस्ते दामों के लालच में लोग अनजाने में ही मिलावटी उत्पाद खरीद लेते हैं। सूरत के मामले में भी 'विदुर' ब्रांड के नाम पर नकली घी को असली बताकर बेचा जा रहा था, जिससे उपभोक्ता आसानी से धोखा खा जाते थे। यह प्रवृत्ति केवल एक शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के हर कोने में इस तरह के मामले सामने आते रहते हैं। मिलावट का यह जाल केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे कस्बों और गांवों तक भी फैल चुका है। थोक व्यापारियों और सप्लाई चेन के जरिए यह नकली सामान दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचाया जाता है। कई बार स्थानीय दुकानदार भी अनजाने में ऐसे उत्पाद बेचते हैं, जिससे यह समस्या और भी जटिल हो जाती है। इसके पीछे एक पूरा नेटवर्क काम करता है, जिसमें निर्माता, सप्लायर और वितरक सभी शामिल होते हैं। इस समस्या की जड़ में कमजोर निगरानी व्यवस्था और कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन न होना भी शामिल है। हालांकि देश में खाद्य सुरक्षा के लिए कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन सख्ती से नहीं हो पाता। जांच की प्रक्रिया धीमी होती है और दोषियों को सजा मिलने में लंबा समय लग जाता है, जिससे उनके हौसले बुलंद रहते हैं। कई मामलों में जुर्माना भी इतना कम होता है कि वह उनके मुनाफे के सामने नगण्य साबित होता है।ऐसे में जरूरी है कि मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कानूनों को और सख्त बनाया जाए, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिले और दूसरों के लिए यह एक उदाहरण बन सके। साथ ही, खाद्य पदार्थों की नियमित और व्यापक जांच होनी चाहिए, जिससे बाजार में बिकने वाले उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। तकनीक का उपयोग कर ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत बनाना भी समय की जरूरत है। सरकार के साथ-साथ उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। लोगों को जागरूक होना होगा और सस्ते के लालच से बचना होगा। विश्वसनीय ब्रांड और प्रमाणित उत्पादों को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, यदि किसी उत्पाद की गुणवत्ता पर संदेह हो तो उसकी शिकायत संबंधित विभाग में करनी चाहिए। जागरूक उपभोक्ता ही इस समस्या से लड़ने में सबसे बड़ा हथियार बन सकता है। सूरत का यह कांड एक चेतावनी है कि अगर समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह केवल एक शहर या एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश की चुनौती है। मिलावट का यह जहर हमारी थाली में घुलकर हमारी सेहत को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है। अब समय आ गया है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और मिलकर इसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ जीवन मिल सके।

बदलता मतदाताः संसदीय कार्यवाही को गंभीरता से नहीं लेते लोग

एडवोकेट किशन सनमुदास

-16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम का समग्र वैश्विक विश्लेषण

आज का नागरिक व मतदाता सरकार के कार्यों का मूल्यांकन, उनके पीछे की नीतिगत मंशा, समय -निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है? जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं,बल्कि कैसे और क्यों हुआ पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक नई चुनौती बनती जा रही है वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में भारतीय मतदाता का व्यवहार अब केवल भावनात्मक या परंपरागत नहीं रह गया है, बल्कि अत्यंत विश्लेषणा त्मक और परिणाम- आधारित हो चुका है।आज का नागरिक न केवल सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करता है,बल्कि उनके पीछे की नीतिगत मंशा,समय-निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है।यही कारण है कि यदि कोई सरकार दस अच्छे काम करती है और एक निर्णय जनता की अपेक्षाओं के विपरीत जाता है, तो उस एक निर्णय का प्रभाव शेष उपलब्धियों पर भारी पड़ सकता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी नई राजनीतिक चेतना को उजागर किया है,जहाँ जनता केवल परिणाम नहीं बल्कि प्रक्रिया की वैधताऔर पारदर्शिता को भी परख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि 16-17 अप्रैल 2026 के दो दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गए।एक ओर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जिसपर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होकर पहले अधिनियम बन चुका था उसको 16 अप्रैल 2026 कोआधी रात में लागू करने की अधिसूचना जारी की गई,वहीं दूसरी ओर संसदीय प्रक्रिया के तहत रूल 66 को निलंबित कर तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एक साथ जोड़कर पारित करने का प्रयास किया गया।लोकसभा में कुल 528 सांसदों ने मतदान किया, जिसमें पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े, लेकिन दो- तिहाई बहुमत की आवश्यकता के कारण यह विधेयक 54 मतों से गिर गया। यह केवल एक विधायी असफलता नहीं थी,बल्कि यह राजनीतिक रणनीति,संवैधानिक प्रक्रिया और वैचारिक मतभेदों के बीच गहरे संघर्ष का प्रतीक बन गया।

साथियों बात अगर हम जनता के मन में उठते सवाल- पारदर्शिता बनाम राजनीतिक रणनीति को समझने की करें तो, इस घटनाक्रम के बाद जनता के मन में कई महत्वपूर्ण प्रश्न उभर कर सामने आए। यदि 2023 में ही राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल चुकी थी,तो इसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया? महिला आरक्षण के मुद्दे पर जब पूरे विपक्ष की व्यापक सहमति थी,तो उसे परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे विवादित मुद्दों के साथ क्यों जोड़ा गया?इन प्रश्नों ने यह संकेत दिया कि जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं, बल्कि कैसे और क्यों हुआ पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक सटीक रूप से नई चुनौती बनती जा रही है। साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टि नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफ़ाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लेोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञान- अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलत: अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में बहुत तेजी से गिरावट तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक निर्णयों की विश्वसनीयता पर प्रश्न इसको समझने की करें तो सरकार द्वारा आधी रात में अधिनियम लागू करना, संसदीय नियमों को निलंबित करना और कई विधेयकों को एक साथ जोड़ना ये सभी कदम विपक्ष के लिए सीमित विकल्प छोड़ते हैं। हालांकि यह रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी हो सकता है,लेकिन इससे सरकार की नीतिगत पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न भी लग सकता है?वैश्विक निवेशक ऐसे संकेतों को नीतिगत जोखिम (पॉलिसी रिस्क) के रूप में देखते हैं,जो दीर्घकालिक निवेश निर्णयों को प्रभावित कर सकता है। साथियों बात अगर हम महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास का संबंध इसको समझने की करें तो जमीनी स्तरपर यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि राजनीतिक सशक्तिकरण से सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में सुधार होता है, जिससे समग्र आर्थिक विकास को गति मिलती है।

साथियों बात अगर हम भारत में महिला श्रम भागीदारी दर के दृष्टिकोण से देखें तो इसमें वृद्धि हुई है,लेकिन यह अभी भी पुरुषों की तुलना में काफी कम है। यदि इस अंतर को कम किया जाए,तो आर्थिक विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में 50 प्रतिशत तक सुधार किया जाए, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर में प्रति वर्ष लगभग 1 प्रतिशत अंक की वृद्धि हो सकती है। वर्तमान में लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह लगभग 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य है।यह आँकड़ा यह दर्शाता है कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि एक ठोस आर्थिक रणनीति भी है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक अस्थिरता और निवेशक विश्वास को समझने की करें

संसद में महिला बिल के पास न होने के कई कारण

- संजय गोस्वामी

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया। मर्यादा पुरषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृ? प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी

लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म चरित्र भारतीय संस्कृति के क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन रावण को जो अधर्मी था और घमंड गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर और सर्वशक्तिमान समझता था कोई भी व्यक्ति या समूह अपना इसलिए भगवान राम को धर्म और चरित सुधार सकता है। राम आदर्श मानवता को बचाने के लिए एक गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं लम्बी ल?ाई रावण से ल?नी थी यदि ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का महिला होते परिवार होता तो निर्माण ही उनका उद्देश्य है। महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ

श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख धारण करना प?ता जो ल?ाई में अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों बाधा क्या ल? ही नहीं पाते, यह और एपिक महाकाव्य रामायण में सच है कि यदि आपके देश में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। अचानक ?ोई युद्ध छे? देता है और उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, उस व?त महिला सैनिक यदि न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने आजकल इसी समस्या को देखते वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान

हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेगे क्योंकि बू? लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की ?द्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है।

दवाओं की बढ़ती लतः स्वास्थ्य के लिए कितनी घातक

- मुकेश तिवारी

ऐसे लाखों लोग है, जो डॉक्टर वही अच्छा, जो ज्यादा महंगी ज्यादा दवाईयां लिखें ऐसे व्यक्ति मानते हैं कि मंहगी दवाई सस्ती दवाई की तुलना में ज्यादा असरदार होती है। ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है जो मामूली शारीरिक व्याधि उठाने पर डाक्टर से सलाह लिए बिना ही दवा की दुकान से व्याधि के उपचार के लिए प्रचारित की जाने वाली पेटेंट दवाएं खरीद कर बिना किसी हिचकिचाहट के उसका सेवन कर लेते हैं। वे यह कतई महसूस नहीं करते कि गलत ढंग से अग्रेजी दवाओं के उपयोग से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और वे उस रोग के उपचार के बजाय नये रोग को जन्म दे सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को बुखार आये तो यह जरूरी नही कि वह बुखार मलेरिया ही हो और मलेरिया की दवाई खाना शुरू कर दी जाये, संभव है कि यह वायरल जनित बुखार हो, जिसके लिए मलेरिया की दवाई के सेवन की नहीं बल्कि अन्य गोली लेने पडती है। वायरल बुखार होने पर रोगी को बिना डाक्टर की सलाह के मलेरिया की दवाई देने से रोगी के शरीर पर उसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। चौकाने वाली बात है कि दवा कंपनी से मिलने वाले मोटे कमीशन के चक्कर में चिकित्सक अधिक मंहगी दवाईयां लिख रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा पद्धति के तहत औषधि निर्माण कंपनियां जिस तरीके से बडे पैमाने पर दवाइयां बना रही है, उसी प्रकार चिकित्सक भी रोगी को धड़ाधड़ इन दावों के सेवन का परामर्श दे रहे हैं । मरीज भी ऐसा कर रहा है यही वजह है ,की इन दवाओं के अनचाहे प्रभाव बढ़ते जा रहे हैं। इसके लिए दवा कंपनियों डॉक्टर और मरीज में से किसी एक वर्ग को कसूर बार मानना गलत है । क्योंकि इसमें तीनों का योगदान है। आज के दौर में चिकित्सा क्षेत्र मुनाफाखोरी का जरिया बन चुका है। दवा कंपनियों में आपसी गला काट होड़ मची हुई है। बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा खड़े नही रह पाने के कारण छोटी कंपनियां कभी-कभी नकली दवाई बेचने से बाज नहीं आती ऐसी कई कंपनियां कैप्सूल में चौक या कॉफी का पाउड,र हल्दी पावडर मिलाकर इन दवाओं को सस्ता बेचती है। चिकित्सक अपनी व्यस्तता के चलते यह पता लगाने की स्थिति में नहीं है कि कौन सी दवा नकली है और कौन सी असली? नाम चीन डॉक्टर के पास इतना वक्त नहीं होता कि पर्याप्त वक्त निकाल कर वह मरीज को उसकी दवा और बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दें सके। तथा कम से कम औषधि के सेवन के लाभ समझा ये। दरअसल दमा के रोगी को ही लीजिए इस रोग के उपचार के लिए सिर्फ सात आठ दवाई है, परंतु बाजार में विभिन्न नाम से अनेक कंपनियों की सैकड़ो दवाई धडल्ले से बिक रही है। जब कभी कोई विशेष ब्रांड की दवा कुछ मरीजों को फायदा कर जाती है तो डॉक्टर व मरीज दोनों उसके पीछे दौड़ पडते हैं । वैसे सभी दवाओं के कुछ न कुछ बुरे असर आवश्यक होते हैं, कोई भी दवा तभी उपयोगी मानी जा सकती है। जब उसके फायदे उसकी बुराइयों से ज्यादा हो, लेकिन कभी कभी यह लाभकारी दवाएं भी व्यक्ति विशेष पर बुरे प्रभाव डालती है, उदाहरणार्थ चमत्कारी दवा पेनासलिन ने अब तक करोड़ लोगों को जीवन रक्षा की है, किंतु कुछ व्यक्तियों में इसके बुरे असर सारे शरीर में लाल चकते से लेकर मृत्यु तक के रूप में सामने आए हैं। कई जाने तो पेनासलिन के परीक्षण के दौरान ही चली ग ई । फे नासे टिन नामक दवा दर्द निरोधक के रूप में सालों से प्रयोग की जाती रही है । लेकिन हाल में गुर्दे के ऊपर उसके बुरे असर का पता चला। तब से दवा के बनाने, बिक्री तथा उसके प्रयोग पर रोक लगा दी गई है। कुछ दबाए ऐसी भी हैं जो हड्डियों तथा दांतों में एकत्रित हो जाती है। टेटरासाइक्लिन नामक दवा इसी प्रकार की है। कुछ बच्चों के दांत इसलिए पीले हो जाते हैं कि उन्होंने बचपन में या जब वे माँ के गर्भ में थे, उनकी मां ने टेटरासाइक्लिन का सेवन किया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ दवाई कभी भी खाली पेट नहीं लेना चाहिए, उन्हें भोजन के पश्चात ही लेना चाहिए, एस्पिरीन इसी तरह की दवा है, पूरी दुनिया में लोग प्रति वर्ष आठ करोड़ पौड जितनी अधिक मात्रा में इसका सेवन करते हैं। लेकिन मोटे तौर पर यह रोग को किस प्रक्रिया से प्रभावित करती है, यह तक ज्ञात नहीं हो सका है। उक्त दवा साधारण दर्द से लेकर दिल के दौरे के दौरान प्रयोग की जाती है। हालांकि समस्या यह है कि इसका बुरा असर शरीर में खासकर मस्तिष्क और पेट में रक्त स्राव के रूप में सामने आते है। इसके अलावा प्रत्येक दवा की निधारित खुराक लेना जरुरी है। तभी उसका रक्त में समुचित स्तर कायम रह सकता है। समुचित स्तर की वजह से ही दवा रोगी को लाभदायक रहती है। इसके ?विपरीत यदि खुराक की मात्रा अधिक हो जाये तो दवा के बुरे असर सामने आ सकते हैं। डाक्टर रोगी को अक्सर एक निश्चित अवधि तक दवा के सेवन की सलाह देते हैं, साधारण तया एंटीबायोटिक दवाओं का कोर्स पांच दिन के लिए होता है। लेकिन क ई रोगी दिन बाद ही आराम पा लेते हैं और दवा का सेवन छोड़ देते हैं लेकिन कुछ दिनों के पश्चात जब उन्हें वैसी ही तकलीफ पुनः शुरू होती है तो वे डाक्टर से पूछते हैं कि क्या बाकी तीन दिन तक ये दवाएं और खा लेने से वे फिर ठीक हो जायेगे? यह सच है कि पहले प्रयुक्त की गई दवा के प्रति रोगणुओं में प्रतिरोध विकसित हो जाता है और इस प्रकार यह दवा बेअसर साबित होती है। आधुनिक अनुसंधानों ने अब इस बात की पुष्टि की है कि गर्भस्थ शिशु पर विभिन्न प्रकार की आवाजों, संगीत तथा मां की भावनाओं का भी असर पड़ता है, इस के अलावा यदि माँ चाय, काफ़ी, क्रीम इत्यादि के सेवन की आदि है तो उसका असर गर्भस्थ शिशु पर पडता है। यह देखने में आया है कि जो बच्चे विकलांग उत्पन्न होते हैं, उनकी माताएं गभावस्था में अनेक प्रकार की दवाईयों का सेवन करती थी, जो दवाएं इस तरह का नुकसान पहुंचाती है, ?हकीकत यह है कि उनका पता तब लगता है जब वे क ई हजार बच्चों को विकलांग बना चुकी होती है, टेटारासाइकिलन, थैलीडोमाइड, आदि ऐसी ही दवाएं है जिनके बारे में काफी नुकसान होने के बाद एहतियात बरती गयी। माँ को मिरगी होने पर दी जाने वाली दवाओं के कारण ऐसे बच्चे उत्पन्न हुए जिनके पैर गदानुमा तथा उनके होठ कटे हुए थे। विटामिन ए आयोडीन, नशीली दवाओं तथा हारमोस के ज्यादा सेवन से शिशुओ में विभिन्न प्रकार की विकलांगता होने के प्रमाण सामने आ चुके हैं।

दवाओं की दुकान पर जाने पर शोकेस में टानिक व विटामिन नजर आते है। जो लुभावनी बोतलों, शीशियों तथा कैप्सूल या गोलियों के रुप में होते हैं। इनकी निर्माणकर्ता कंपनी उनके बारे में दावा करती है कि ये औषधियाँ मांसपेशियां बढाने, दिमाग ज्यादा तेज करने, स्नायु तंत्र शातिशाली बनाने, भूख तेज करने और जीवन शक्ति , बढाने वाली है, जबकि असलियत यह है कि अधिकतर ऐसे टानिक, विटामिन वैसा सकारात्मक असर नहीं डालते ।

दिल्ली के नंद नगरी में ई-रिक्शा सवार महिला से झपटमारी

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में दिनदहाड़े झपटमारी की वारदात में एक महिला घायल हो गई। ई-रिक्शा में अपने बेटे के साथ घर लौट रही महिला से बाइक सवार दो झपटमारों ने मोबाइल फोन और पर्स झपट लिया। विरोध करने पर महिला चलते ई-रिक्शा से नीचे गिर गई, जिससे उसे चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों झपटमार मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की पहचान रजनी शर्मा के रूप में हुई है, जो गृहिणी हैं और गाजियाबाद के इंद्रप्रस्थ मोड़ इलाके में परिवार के साथ किराए के मकान में रहती हैं। रजनी अपने बेटे को दिलशाद गार्डन स्थित एक स्कूल से लेकर ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। जब ई-रिक्शा नंद नगरी के 212 बस स्टैंड से करीब 100 मीटर आगे पहुंचा, तभी पीछे से बाइक पर सवार दो युवक आए और अचानक झपट्टा मारकर महिला के हाथ से मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया। पर्स में करीब 500 रुपये नकद और घर की चाबियां थीं।

दिल्ली एम्स में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में कीमोथेरेपी बंद

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) एम्स दिल्ली ने रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में कीमोथेरेपी बंद कर दी है, इसे मेडिकल ऑन्कोलॉजी का कार्यक्षेत्र बताया है। यह निर्णय तीन साल पहले लिया गया था और फरवरी 2023 से पूरी तरह लागू हो गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली का स्पष्ट कहना है कि कीमोथेरेपी मेडिकल आंकोलाजी का कार्यक्षेत्र है, रेडिएशन आंकोलाजी का नहीं। एम्स जनसंपर्क कार्यालय से मिली अधिकारिक जानकारी के अनुसार इस कारण ही रेडिएशन आंकोलाजी में हो रही कीमोथेरेपी को एम्स निदेशक के आदेश से तीन वर्ष पहले बंद करा दिया गया। इसके बाद एम्स प्रबंधन ने फरवरी 2023 के आदेश के बाद यह जिम्मेदारी पूरी तरह मेडिकल आंकोलाजी को सौंप दी है। हालांकि, इस फैसले को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एम्स प्रबंधन ने इस बात का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है कि जब कीमोथेरेपी मेडिकल आंकोलाजी का ही कार्यक्षेत्र है, तो पिछले करीब 50 वर्षों से रेडिएशन आंकोलाजी विभाग में कीमोथेरेपी कैसे और क्यों दी जा रही थी। और इस गलत व्यवस्था को किसके कहने पर आरंभ किया गया, उन पर क्या कार्रवाई की गई। एम्स प्रबंधन की चुप्पी इस सवाल पर भी बनी हुई है कि जब कीमोथेरेपी रेडिएशन आंकोलाजी का कार्य नहीं है तो देश के अन्य एम्स और बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में रेडिएशन आंकोलाजी विभाग में कीमोथेरेपी कैसे और क्यों दी जा रही है। अन्य एम्स ने दिल्ली एम्स का अनुशरण क्यों नहीं किया या क्यों नहीं कर रहे।

डीयू में फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी की मिलेगी अपनी हाईटेक बिल्डिंग

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) दिल्ली विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी के लिए एक अत्याधुनिक आठ मंजिला भवन अक्टूबर से शुरू होगा। इसमें कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। विश्वविद्यालय में पहली बार फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी के लिए आठ मंजिला अत्याधुनिक भवन तैयार किया जा रहा है, जहां आधुनिक तकनीकी शिक्षा के अनुरूप विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह भवन न केवल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए नई पहचान बनेगा, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाई भी देगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने लक्ष्य रखा है कि अक्टूबर माह तक इस भवन में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कर दी जाएं। इस अत्याधुनिक भवन में कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलाजी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। भवन में 1200 से अधिक छात्रों के अध्ययन और बैठने की व्यवस्था होगी। यहां प्रवेश प्रक्रिया जेईई मेन्स के आधार पर होगी, जिससे देशभर के मेधावी छात्रों को प्रवेश का अवसर मिलेगा। अभी इन कोर्स की कक्षाएं डीयू के ही गड़ाद भवन में चल रही है।

दिल्ली के बदरपुर में सड़कों पर तीन महीने से कचरे का ढेर

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) एक तरफ जहां राजधानी दिल्ली में स्वच्छता पर जोर देते हुए काम कराए जा रहे हैं। वहीं बदरपुर विधानसभा का एक वार्ड ऐसा है, जहां बीते तीन महीने से कचरे का उठान ही नहीं हो पा रहा है। सड़कों से लेकर गलियों तक में झाड़ू भी नहीं लगती। सड़क से लेकर गली तक में बिखरा ये कचरा नालियों में पहुंचकर उन्हें जाम कर दे रहा है। प्रमुख मार्गों पर कचरों के ढेर सुबह-शाम जाम के साथ ही दुर्घटना की भी वजह बन रहे हैं। एमसीडी अधिकारियों, निगम पार्षद से लेकर एमसीडी 311 एप तक पर शिकायत की गई। पर अब तक लोगों को राहत नहीं मिल पायी है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक आबादी के हिसाब से हरिनगर वार्ड में 70 से 80 सफाई कर्मियों की जरूरत है। पर नजर केवल 10 से 15 ही आते हैं। इसके चलते कई गलियों और सड़कों की नियमित सफाई नहीं हो पाती। नालियां कचरे की वजह से चोक है। इनकी भी सफाई नहीं होती। वार्ड स्थित के ब्लाक सौरभ विहार छठ घाट के नजदीक, एन ब्लाक अमर मार्केट, लव कुश चौक, टंकी रोड, अर्पण विहार, मोड़बंद आदि में सड़क किनारे कचरे के ढेर लगे हैं। लोगों के मुताबिक क्षेत्र में तीन से चार ही कचरा गाड़ी आती है, जबकि 10 से 12 गाड़ियों का कूड़ा रोज निकलता है। जितना कचरा उठता नहीं उसका चार गुना रोज पड़ जाता है।

पूर्वी दिल्ली के झील पार्क में युवक को पहले चाकू मारा फिर कुचल दिया सिर

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) पूर्वी दिल्ली के वेलकम थाना क्षेत्र के झील पार्क में मोहम्मद शमीम की चाकू मारकर और सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार शाम दोस्तों के साथ गए शमीम का शव शनिवार सुबह मिला। पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को पकड़ा है। वेलकम थाना क्षेत्र के झील पार्क में युवक मोहम्मद शमीम की चाकू से हमला कर और सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। मृतक को शुक्रवार शाम उसके कुछ दोस्त घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। शनिवार सुबह उसका शव झील पार्क में पड़ा मिला था। मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया है। स्वजन के अनुसार, मोहम्मद शमीम शुक्रवार शाम घर से दोस्तों के साथ गया था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद उन्होंने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने झील पार्क में एक युवक का शव पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान मोहम्मद शमीम (21) निवासी लकड़ी मार्केट, वेलकम के रूप में की।

खेड़ा-बेड़ा' बयान पर सियासत तेज, कोटा विधायक अटल पर केंद्रीय मंत्री का तंज— 'विपक्षी धर्म निभा रहे', बोले- बिलासपुर का विकास ही जवाब

बिलासपुर 19 अप्रैल (निस) असम चुनाव प्रचार से लौटे केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने बिलासपुर में प्रेस से बातचीत के दौरान सियासी तेवर दिखाए और विकास के मुद्दों पर भी खुलकर बात रखी। उन्होंने दावा किया कि असम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए साहू ने प्रवक्ता पवन खेड़ा के आरोपों को खारिज किया और तंज कसते हुए कहा कि खेड़ा-बेड़ा जैसे बयान देने से पहले कांग्रेस को खुद के दामन में झांकना चाहिए, क्योंकि पार्टी खुद भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।

असम को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में वहां शांति, सुरक्षा और आधारभूत विकास हुआ है, जो पहले नहीं था। यही वजह है कि जनता एक बार फिर भाजपा को समर्थन देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद स्थिति साफ हो जाएगी।

बातचीत के दौरान साहू ने बिलासपुर के विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कई बड़े प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि बिलासा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए रक्षा विभाग से 298 एकड़ जमीन मिल चुकी है और इसे 4सी श्रेणी तक अपग्रेड किया जाएगा। नाइट लैंडिंग की सुविधा शुरू होना भी अहम उपलब्धि बताया।

शहर के ट्रैफिक को सुधारने के लिए 32 किलोमीटर का रिंग रोड, बायपास और ओवरब्रिज जैसे प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है। डीपीआर तैयार हो रहा है और बजट भी स्वीकृत हो चुका है। कोपरा जलाशय को रामसर साइट घोषित किए जाने को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान बताया और कहा कि इसके संरक्षण में कोई समझौता नहीं होगा। रतनपुर में महामाया कॉरिडोर और हाउसिंग प्रोजेक्ट जैसी योजनाओं का भी जिक्र किया।

अरपा नदी को लेकर उन्होंने कहा कि इसे पुनर्जीवित करने के लिए 40 नालों के पानी का ट्रीटमेंट कर साफ पानी ही नदी में छोड़ा जाएगा। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के धरना-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए साहू ने कहा कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें अपनी राजनीतिक मौजूदगी बनाए रखने के लिए ऐसे कदम उठाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि धरना देना उनका अधिकार है, लेकिन लगाए गए आरोपों में कोई ठोस आधार नहीं है। साथ ही यह भी दोहराया कि जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

साहू ने बिलासपुर को स्वच्छता में देश का नंबर वन शहर बनाने का लक्ष्य भी दोहराया और कहा कि सिटी 2.0 योजना के तहत शहर को नए स्तर पर विकसित किया जाएगा। इस पूरे बयान में जहां एक ओर असम चुनाव को लेकर भाजपा का आत्मविश्वास दिखा, वहीं दूसरी ओर बिलासपुर के विकास को लेकर बड़े दावे और विपक्ष पर तीखे हमले भी साफ नजर आए।

सेक्सुअल असॉल्ट का घिनौना अपराध, डीएनए प्रोफाइलिंग से साबित हुआ

बिलासपुर 19 अप्रैल (निस) सेक्सुअल असॉल्ट का घिनौना अपराध, जिसका नतीजा मर्डर होता है, पक्का मेडिकल सबूत और भरोसेमंद डीएनए प्रोफाइलिंग से साबित होता है, और सबूत के स्तर को पूरी तरह से पूरा करता है; अगर ऐसे सबूत कोर्ट का भरोसा जगाते हैं तो यह सज़ा का अकेला आधार बन सकता हैइस आशय का निर्देश देते हुए हाईकोर्ट ने नाबालिग से रेपकर हत्या करने के आरोपी की अपील निरस्त कर दी और ट्रायल कोर्ट का निर्णय बरकरार रखा है। बीजापुर जिले के एक गाँव में 13.जनवरी .2020 को, मृतक, एक नाबालिग लड?ी, मार्केट की ओर गई थी। उस समय, उसकी दादी, , ने उसके अकेले जाने पर एतराज़ किया और उसे रोकने की कोशिश की। आरोपी ने दखल दिया और दादी को भरोसा दिलाया कि वह उसके साथ मार्केट जाएगा और उसे सुरक्षित घर वापस ले आएगा। इस भरोसे पर, मृतक को आरोपी के साथ जाने दिया गया। हालांकि, उसके बाद, मृतक लापता हो गई, और बाद में, एक लाश मिलने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंचने पर, मृतक के रिश्तेदारों, ने लाश की पहचान लापता लड?ी के रूप में की। घटनास्थल पर ही, गांव में अप्राकृतिक मौत की सूचना दर्ज की गई, और आरोपी के खिलाफ़ आईपीसी की धारा 302 के तहत सज़ा वाले जुर्म के लिए एक शुरुआती शिकायत (देहाती नालीशी) दर्ज की गई। जांच की कार्रवाई करने से पहले, गवाहों को सीआरपीसी की धारा 175 के तहत नोटिस जारी किए गए, और उसके बाद जांच का पंचनामा तैयार किया गया। मृतक के शरीर को रिक्विजिशन के ज़रिए पोस्टमॉर्टम जांच के लिए भेजा गया, और उसके पूरा होने पर, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट रिकॉर्ड में लाई गई, जिसके बाद शरीर परिवार वालों को सौंप दिया गया। घटनास्थल से, कई आपत्तिजनक सामान जब्त किए गएट्रायल कोर्ट में सुनवाई के बाद आरोपी बबलू को रेप और हत्या का दोषी करार किया गया *इस अपील पर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद पूरे मामले पर गौर करते हुए, कहा कि जब रिकॉर्ड पर मौजूद सभी सबूतों को एक साथ और पूरी तरह से देखा जाता है, तो अपील करने वाले के खिलाफ ये हालात पक्के तौर पर साबित होते हैं कि पीड़ित की हत्या से मौत हुई है। जैसा कि डॉ. दीपिका सिन्हा के मेडिकल सबूत और पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट से साबित होता है, जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि मौत का कारण गला घोंटने से दम घुटना था; प्रॉसिक्यूशन ने अपील करने वाले को आईपीसी की धारा 302, 376 (एबी) और पाक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत सज़ा देने लायक अपराधों के लिए बिना किसी शक के दोषी साबित कर दिया है और उसे आईपीसी की धारा 302 और पाक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत पहले बताई गई सज़ा सुनाई है। हालात इतने उलझे हुए हैं कि, अपील करने वाले के जुर्म के अलावा कोई और वजह नहीं बताई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट में अपीलयह कहा गया है कि, अपील करने वाला 19 जनवरी .2020 से कस्टडी में है, इसलिए वह ट्रायल कोर्ट के आदेश के अनुसार सज़ा काटेगारजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि इस फैसले की एक कॉपी उस जेल के सुपरिंटेंडेंट को भेजी जाए, जहां अपील करने वाला जेल की सज़ा काट रहा है, ताकि अपील करने वाले को यह सज़ा दी जा सके और उसे बताया जाए कि वह इस कोर्ट के दिए गए मौजूदा फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है, जिसके लिए वह हाईकोर्ट लीगल सर्विसेज़ कमिटी या सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज़ कमेटी की मदद ले सकता है। पुलिस ने मृतक के शरीर मे मिले मानव स्पर्म का डीएनए कराया था। जिसमे आरोपी का डीएनए मैच हुआ था।

मधुमक्खी पालन, कम लागत में ज्यादा मुनाफे का बेहतर विकल्प

रायपुर 19 अप्रैल (निस) छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें वैकल्पिक आजीविका से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राज्य योजना के अंतर्गत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जशपुर जिले में इस योजना के तहत 20 किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन के लिए आवश्यक संसाधनों पर अनुदान दिया जा रहा है, जिसमें मधुमक्खी पेटी (बी बॉक्स) सहित कॉलोनी के लिए 1600 रुपये, मधुमक्खी छत्ता हेतु 800 रुपये तथा मधु निष्कासन यंत्र के लिए 8000 रुपये की सहायता शामिल है। इस पहल से किसान कम लागत में अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि परागण के माध्यम से फसलों की पैदावार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरसों, आम, लीची, अमरूद, सूरजमुखी, धनिया एवं विभिन्न सब्जी फसलों में मधुमक्खियों द्वारा परागण से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इससे कृषि अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनती है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक प्रभावी साधन बनकर उभर रहा है। प्रशिक्षण लेकर कोई भी व्यक्ति इस व्यवसाय को आसानी से शुरू कर सकता है। शहद, मोम और रॉयल जेली जैसे उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग होने से आय के स्थायी स्रोत विकसित हो रहे हैं। मधुमक्खियां जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मधुमक्खियों की संख्या में कमी आ रही है, जो पर्यावरण के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में मधुमक्खी-अनुकूल खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है। मधुमक्खी पालन कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाला व्यवसाय है। एक मधुमक्खी बॉक्स से वर्ष में कई बार शहद उत्पादन किया जा सकता है। वैज्ञानिक तकनीकों, उचित प्रबंधन और मौसम के अनुसार देखभाल करने से किसान बेहतर उत्पादन और अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

हे राम..! आखिर शर्म इन्हें क्यो नही आती..! लालच की रेत में दफन हुआ मासूम अवैध खनन ने ली नाबालिग की जान

बिलासपुर 19 अप्रैल (निस) रेत खनन के काले खेल ने एक और मासूम की जान ले ली। रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़वट में खारंग नदी किनारे अवैध रेत खनन के दौरान 17 वर्षीय नाबालिग अमित कश्यप की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर रेत माफियाओं की लापरवाही और लालच को उजागर कर दिया है। थाना रतनपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 09 अप्रैल 2026 की रात करीब 3 बजे सूचना मिली कि रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर में सवार एक युवक की मौत हो गई है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रशिक्षु आईपीएस अंशिका जैन, थाना प्रभारी रतनपुर ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। मर्ग जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में पाया गया कि आरोपी तोषण कश्यप द्वारा खारंग नदी से अधिक रेत निकालने के लालच में 6-7 फीट गहरे गड्ढे में नाबालिग अमित कश्यप और अमित यादव को उतारा गया था। आरोपी को यह पूरी जानकारी थी कि गड्ढा कभी भी धंस सकता है, बावजूद इसके उसने अंधेरे में अवैध खनन करवाया। इसी दौरान अचानक रेत और मिट्टी धंस गई, जिससे अमित कश्यप उसकी चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, अमित यादव गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके जांघ और पैर में चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी ने सच्चाई छुपाने के लिए साजिश रची। उसने ट्रैक्टर को घटनास्थल से दूर ले जाकर ट्रॉली पलट दी और इसे सड? दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। लेकिन पुलिस की सूझबूझ और गहन जांच के आगे आरोपी की चालाकी ज्यादा देर नहीं टिक सकी।

टोनही' बताकर दरिंदगी! तखतपुर में महिला को मानसिक-शारीरिक यातनामां-बेटे गिरफ्तार

बिलासपुर 19 अप्रैल (निस) समाज से कुप्रथाओं के खत्म होने के दावों के बीच बिलासपुर जिले के तखतपुर थाना क्षेत्र से एक झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला को 'टोनही' कहकर न सिर्फ अपमानित किया गया, बल्कि उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामूली विवाद से शुरू हुई क्रूरता -घटना 5 अप्रैल 2026 की बताई जा रही है, जब पीड़िता थाना तखतपुर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके घर के पास रहने वाला देवेन्द्र बघेल गिर पड़ा था। गिरने की आवाज सुनकर जब वह बाहर निकली, तभी देवेन्द्र की मां सुमित्रा बाई वहां पहुंची और बिना किसी कारण के उसे गंदी-गंदी गालियां देने लगी। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद मां-बेटे ने उसके साथ मारपीट की और उसे 'टोनही' कहकर लगातार अपमानित किया। जांच में सामने आई 'टोनही' प्रताड़ना-पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 211/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि आरोपियों द्वारा पीड़िता को 'टोनही' कहकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिसके बाद टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम 2005 की धारा 4 और 5 भी प्रकरण में जोड़ी गई।

दिल्ली के वेलकम में बदला लेने के लिए कर दी निर्मम हत्या

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) वेलकम इलाके के झील पार्क में मोहम्मद शमीम नामक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। दो युवकों और एक नाबालिग ने बदला लेने के लिए उसे चाकू से गोदा और सिर पत्थरों से कुचल दिया। वेलकम थानाक्षेत्र के झील पार्क में दो युवकों ने एक नाबालिग संग मिलकर युवक की निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने तीनों आरोपितों को पकड़ लिया है। पूछताछ में नाबालिग ने पुलिस को बताया कि मरने से पहले मृतक शमीम ने उनसे माफी मांगी था, लेकिन युवकों ने कहा कि मरने तक तुझे पानी भी नसीब नहीं होने देंगे। चाकू से गोदने के बाद उसके सिर को पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। आरोपितों ने बताया कि मृतक कई दिन से खेल के दौरान उसके साथ मारपीट करता था और विरोध पर अपने भाई से पिटवाने की धौंस जमाता था। डीसीपी उत्तर पूर्वी जिला आशीष मिश्रा ने बताया कि मामले में वसीम उर्फ मिया, तिलक राज उर राज ओर एक नाबालिग को पकड़ा गया है। शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि नगर निगम उत्तरी जोन कार्यालय के पीछे बने झील पार्क में एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान मोहम्मद शमीम निवासी लकड़ी मार्किट वेलकम के रूप में हई। वह जींस सिलाई का काम करता था। स्वजन ने पूछताछ में पता चला कि वसीम, तिलक और एक अन्य उसे शुक्रवार रात घूमने के लिए साथ लेकर गए थे। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं था। पुलिस ने सर्विलांस के जरिये तीनों को पकड़ लिया।

दिल्ली में 27 मामलों में शामिल झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) मंडावली पुलिस ने 27 आपराधिक मामलों में शामिल एक शातिर झपटमार अकबर सैफी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो चोरी के मोबाइल फोन और एक अवैध बटनदार चाकू बरामद हुआ। मंडावली थाना पुलिस ने एक शातिर झपटमार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल फोन और एक अवैध बटनदार चाकू बरामद किया है। पकड़ा गया आरोपित 27 आपराधिक मामलों में पहले से शामिल रहा है। आरोपित की पहचान मंडावली के स्कूल ब्लॉक निवासी 26 वर्षीय अकबर सैफी के रूप में हुई है। पूर्वी जिले के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि 9 अप्रैल की रात करीब 11 बजे मंडावली इलाके के तालाब पार्क के पास गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को देखा, जो पुलिस को देखते ही भागने लगा। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध बटनदार चाकू और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। जांच में एक मोबाइल मयूर विहार थाने में दर्ज ई-एफआईआर से संबंधित पाया गया, जबकि दूसरा मोबाइल मंडावली थाने में दर्ज एक अन्य मामले से जुड़ा मिला। आरोपित इन मोबाइल फोन के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

पिता के नाम के बिना नाबालिग बेटी का पासपोर्ट होगा जारी

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) दिल्ली हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की का पासपोर्ट उसके पिता के नाम के बिना फिर से जारी करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पाया कि पिता ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर बेटी की अभिरक्षण और मुलाकात के सभी अधिकार त्याग दिए थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की का पासपोर्ट उसके पिता के नाम के बिना पुन: जारी करने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने रिकॉर्ड पर लिया कि ट्रायल कोर्ट के आदेश पर पिता ने बेटी की अभिरक्षण और मुलाकात के सभी अधिकार त्याग दिए हैं। कोर्ट ने उक्त आदेश नाबालिग का पासपोर्ट पिता के नाम के बिना पुन: जारी करने की उसकी मां की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिकाकर्ताओं महिला ने कोर्ट को सूचित किया कि लड़की के स्वजन ने 2021 में एक सुलह समझौता किया था और इसके बाद में 2022 में तलाक हो गया था। समझौते की शर्तों के अनुसार, पिता ने सहमति दी थी कि नाबालिग बच्ची मां की एकमात्र अभिरक्षण और देखरेख में रहेगी, और वह भविष्य में न तो अभिरक्षण का दावा करेगा और न ही मुलाकात के अधिकार मांगेगा।

दिल्लीवालों को खूब पसंद आ रहे इलेक्ट्रिक व्हीकल

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के रजिस्ट्रेशन में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एनवायरोकैटेलिस्ट्स द्वारा वाहन डैशबोर्ड के आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिल्ली में 83,512 इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर्ड हुए थे, जो 2025-26 में बढ़कर 1.07 लाख हो गए। इलेक्ट्रिक हाइब्रिड वाहनों की संख्या भी 6,796 से बढ़कर 8,476 हो गई। हालांकि, पेट्रोल और पेट्रोल-इथेनॉल वाहनों में भी वृद्धि जारी रही। इनकी संख्या 5.30 लाख से बढ़कर 6.21 लाख पहुंच गई। सीएनजी वाहनों में भी उछाल देखा गया, जहां रजिस्ट्रेशन 25,330 से बढ़कर 32,224 हो गए। वहीं डीजल वाहनों की संख्या घटकर 11,498 रह गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि नई ईवी पॉलिसी और स्क्रैपेज लिंक्ड इंसेंटिव के कारण आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदारी और तेजी से बढ़ेगी। एनवायरोकैटेलिस्ट्स के सुनील दहिया ने कहा कि ईवी रजिस्ट्रेशन में मजबूत वृद्धि के बावजूद पेट्रोल और सीएनजी वाहनों की संख्या पर अभी इसका खास असर नहीं पड़ा है। नई नीति के तहत पुराने बीएस-4 वाहनों को स्क्रैप कर नया ईवी खरीदने पर वित्तीय लाभ मिलेगा, जिससे ईवी अपनाने में और तेजी आएगी।

90 साल पुराना लोधी गार्डन है सहेजी यादों और भावनाओं का जीवंत बगीचा

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) लोधी गार्डन ने हाल ही में अपनी 90वीं वर्षगांठ मनाई। यह सिर्फ एक पार्क नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों के लिए यादों और भावनाओं का जीवंत केंद्र है। 81 वर्षीय डॉ. आरके पांडेय और 80 वर्षीय जवाहर लाल श्रीवास्तव जैसे लोग बचपन से इससे जुड़े हैं। रोजाना बेटे को लेकर लोधी गार्डन घूमने जाना और वीकेंड पर दोस्तों से मिलना करीब 50 साल पहले मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। आज भी मैं अपने पोते को लेकर वहीं जाता हूं। हम कई दोस्त इसी पार्क में मिले और जिंदगी के कई दशक साथ बिताए। मेरे लिए यह महज एक पार्क नहीं, बल्कि भावनाओं का बगीचा है। यह कहना है जोर बाग निवासी 81 वर्षीय डॉ. आरके पांडेय का। उनकी बातों में सिर्फ एक व्यक्ति की स्मृतियां नहीं, बल्कि उस भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिलती है जो लोधी गार्डन को खास बनाता है। कुछ ऐसा ही रिश्ता सफदरजंग एन्क्लेव के निवासी 80 वर्षीय जवाहर लाल श्रीवास्तव का भी है। वे कहते हैं, लोग इस जगह को इतिहास या विरासत के तौर पर जानते होंगे, मेरे लिए तो यह वह स्थान है जहां बचपन से लेकर आज तक का सफर बीता है। समय के साथ यहां का माहौल जरूर बदला है, लेकिन इसकी खूबसूरती और सुकून आज भी वैसा ही है और यही बात इसे सबसे खास बनाती है।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां -बाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां- बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं—अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ''स्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !''शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं। शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है, शिक्षा का परम उद्देश्य संस्कार होता है, वह ओझल हो गया है।विद्या ददाति विनयम् के आधार पर प्रदान की जाने वाली शिक्षा विकासोन्मुखी एवं संस्कारोन्मुखी थी।

डिजिटल युग में बच्चों को उम्र के अनुसार संस्कार दें

आज के आधुनिक दौर में बच्चों का अधिकांश समय मोबाइल, टीवी और डिजिटल गेम्स में बीत रहा है, जिसका सीधा असर उनके व्यवहार और आदतों पर देखने को मिल रहा है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे अपने बच्चों को सही समय पर सही दिशा और संस्कार दें। यह समझना बेहद आवश्यक है कि बच्चे का पहला विद्यालय उसका घर होता है और उसके पहले शिक्षक

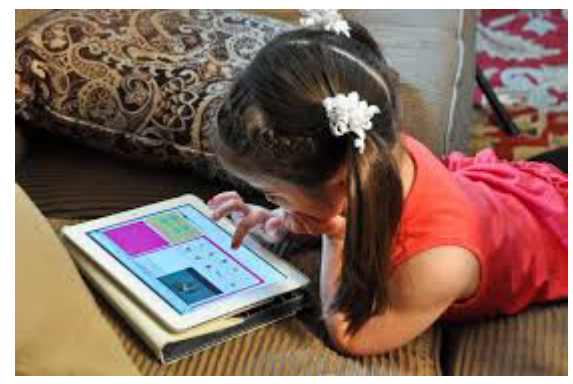

उसके माता-पिता ही होते हैं। यदि बचपन से ही बच्चों को अच्छे मैनर्स और जीवन-मूल्य सिखाए जाएं, तो उनका व्यक्तित्व बेहतर और मजबूत बनता है। इसी क्रम में, उम्र के विभिन्न पड़ावों पर बच्चों को क्या और कैसे सिखाया जाए, यह जानना बेहद जरूरी है। शुरुआती दौर में यानी 1 से 2 साल की उम्र में बच्चे चीजों को तेजी से सीखते और समझते हैं। इस समय उन्हें धीरे-धीरे बुनियादी मैनर्स सिखाना शुरू करना चाहिए, जैसे प्यार से बोलना और इशारों के जरिए अपनी बात समझाना। बच्चे इस उम्र में देखकर और नकल करके सीखते हैं, इसलिए माता-पिता को स्वयं वही व्यवहार अपनाकर उदाहरण बनना चाहिए। खेल-खेल में या खिलौनों के माध्यम से शब्दों को दोहराकर उन्हें सिखाना प्रभावी होता है। तीन से पांच साल की उम्र तक आते-आते बच्चे चीजों को बेहतर समझने लगते हैं, लेकिन उनमें जिद भी बढ़ सकती है। इस नाजुक दौर में प्यार और धैर्य के साथ अच्छी आदतें सिखाना आवश्यक है। उन्हें चीजों को साझा करना सिखाएं ताकि उनमें सहयोग की भावना विकसित हो। दूसरों से मिलते समय हाय या हेलो कहना और जाते समय बाय बोलना भी इस उम्र में सिखाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दूसरों की भावनाओं को समझने की आदत डालें, जिससे वे संवेदनशील और समझदार बन सकें। कहानियों और उदाहरणों का सहारा लेना चाहिए, और अच्छे व्यवहार पर उनकी तारीफ करनी चाहिए। इस उम्र में डांटने के बजाय समझाना अधिक प्रभावी होता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, यानी छह से दस साल की उम्र में उनमें सही और गलत की समझ विकसित होने लगती है। इस समय उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें सही-गलत की पहचान करना सिखाएं, ताकि वे अपने फैसले समझदारी से ले सकें। उनमें सच बोलने की आदत डालें और ईमानदारी का महत्व समझाएं। टीमवर्क और मिल-जुलकर रहने की भावना विकसित करें, ताकि वे दूसरों के साथ सहयोग करना सीखें और सामाजिक रूप से मजबूत बनें। इस उम्र में बच्चों को छोटी-मोटी जिम्मेदारियां भी देनी चाहिए और उनकी गलतियों पर शांत तरीके से समझाना चाहिए। उन्हें खेल और सामूहिक गतिविधियों में शामिल करना उनके सामाजिक विकास के लिए लाभकारी होता है, क्योंकि इस उम्र में सीखी गई आदतें जीवनभर उनका साथ निभाती हैं। अंत में, यह भी बेहद महत्वपूर्ण है कि माता-पिता बच्चों के स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को सीमित करें। मोबाइल और टीवी पर अत्यधिक समय बिताने से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

शिशुओं को नहलाते समय इन बातों का ध्यान रखें

शिशुओं को नहलाते समय की जाने वाली ये सामान्य गलतियाँ पहुंचा सकती हैं। बच्चों की त्वचा बेहद नाजुक और संवेदनशील होती है, जिसके कारण उनकी देखभाल में जरा सी भी लापरवाही गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। अक्सर माता-पिता अनजाने में शिशुओं को नहलाते समय कुछ ऐसी गलतियाँ कर बैठते हैं, जो उनकी नाजुक त्वचा और समग्र स्वास्थ्य को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में

सही तरीका अपनाकर इन समस्याओं से कैसे बचा जा सकता है। बहुत से माता-पिता यह सोचकर बच्चे को बार-बार नहलाते हैं कि इससे वह ज्यादा साफ रहेगा, लेकिन यह धारणा गलत है। बार-बार स्नान कराने से शिशु की त्वचा का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है, जिससे उसकी स्किन रूखी, बेजान और अत्यधिक संवेदनशील हो सकती है, जो विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण बन सकती है। पानी का तापमान एक और महत्वपूर्ण पहलू है जिस पर ध्यान देना आवश्यक है। जो पानी हमें हल्का गर्म महसूस होता है, वह शिशु की पतली और कोमल त्वचा के लिए बहुत अधिक गर्म हो सकता है। इसलिए, हमेशा पानी के तापमान को अपनी कोहनी से जांचें और सुनिश्चित करें कि वह केवल गुनगुना हो, ताकि बच्चे की त्वचा को किसी भी प्रकार की जलन या क्षति से बचाया जा सके। खुशबूदार साबुन, बबल बाथ और अन्य कठोर रसायन युक्त उत्पाद बच्चों की नाजुक त्वचा में एलर्जी, चकत्ते और जलन पैदा कर सकते हैं। डॉक्टर की सलाह है कि हमेशा डॉक्टर द्वारा सुझाए गए माइल्ड, खुशबू रहित और विशेष रूप से शिशुओं के लिए बने बेबी-फ्रेंडली उत्पादों का ही उपयोग करें। नहलाते समय बच्चे को सही तरीके से सहारा न देना खतरनाक हो सकता है। शिशु के फिसलने या चोट लगने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसलिए, नहलाते समय बच्चे को हमेशा मजबूती से पकड़कर रखें और उसकी गर्दन व पीठ को उचित सहारा दें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इससे उसके शरीर का तापमान गिर सकता है (हाइपोथर्मिया का खतरा) और त्वचा की प्राकृतिक नमी भी कम हो जाती है। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि शिशु को नहलाने का समय 5 से 10 मिनट के बीच ही रखना सबसे अच्छा होता है। स्नान के बाद तुरंत मॉइस्चराइजर न लगाना एक आम गलती है। नहाने के बाद बच्चे की त्वचा हल्की नम रहती है, और इस समय तुरंत माइल्ड बेबी मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा की नमी अंदर लॉक हो जाती है, जिससे रूखापन नहीं होता और त्वचा मुलायम बनी रहती है।

बच्चों की आँखों को स्विमिंग पूल के संक्रमण से बचाएं

गर्मियों का मौसम आते ही बच्चों के लिए स्विमिंग पूल एक पसंदीदा खेल का मैदान बन जाता है। पानी में उछलना-कूदना, तैरना और दोस्तों के साथ मस्ती करना, यह सब उन्हें बेहद पसंद आता है। लेकिन इस आनंद के साथ एक संभावित खतरा भी जुड़ा है, जो उनकी आंखों को प्रभावित कर सकता है। स्विमिंग पूल में मौजूद कीटाणु और रसायन बच्चों की नाजुक आंखों में संक्रमण पैदा कर सकते हैं, जिसे आम भाषा में 'पिंक आई' या कंजंक्टिवाइटिस के नाम से जाना जाता है। यह बच्चों के लिए न केवल असुविधाजनक होता है, बल्कि यदि इसका समय पर ध्यान न रखा जाए तो यह उनके स्विमिंग अनुभव को पूरी तरह बिगाड़ सकता है। इसलिए यह बेहद ज़रूरी है कि हम अपने बच्चों की आँखों की सुरक्षा के लिए कुछ सरल, लेकिन महत्वपूर्ण सावधानियों को अपनाएं।

स्विमिंग पूल, अगर ठीक से साफ और मेंटेन न किए जाएं, तो वे विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया और

अन्य सूक्ष्मजीवों के लिए प्रजनन स्थल बन सकते हैं। इन जीवाणुओं में एडेनोवायरस जैसे वायरस भी शामिल हो सकते हैं, जो आंखों के संक्रमण का एक प्रमुख कारण हैं। जब बच्चे इन प्रदूषित पानी में अपनी आंखें खोलते हैं, तो ये हानिकारक तत्व सीधे उनकी आंखों के संपर्क में आते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, पूल के पानी को साफ रखने के लिए उपयोग किया जाने वाला क्लोरीन, हालांकि कीटाणुओं को मारने के लिए आवश्यक है, लेकिन इसकी अधिक मात्रा या इसका लंबे समय तक संपर्क आंखों की प्राकृतिक सुरक्षात्मक परत को नुकसान पहुंचा सकता है। यह आंखों में सूखापन, जलन और लालिमा का कारण बन सकता है, जिससे वे बाहरी संक्रमणों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। बच्चों की साझा की गई वस्तुएं, जैसे तौलिए या गॉगल्स, भी संक्रमण को एक बच्चे से दूसरे बच्चे में तेजी से फैलाने का माध्यम बन सकती हैं।

यदि आपके बच्चे को स्विमिंग पूल के बाद आंखों में संक्रमण हो गया है, तो कुछ विशिष्ट लक्षण दिखाई दे सकते हैं जिन पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। सबसे आम लक्षण आंखों के सफेद हिस्से का गहरा लाल या गुलाबी दिखना है। बच्चे अक्सर अपनी आंखों में जलन, खुजली या ऐसा महसूस होने की शिकायत करते हैं जैसे कोई कण उनकी आंखों में फंस गया हो। आंखों से पानी आना या पीले-सफेद रंग का चिपचिपा डिस्चार्ज निकलना भी इसके संकेत हो सकते हैं, जो सुबह उठने पर पलकों को आपस में चिपका सकता है। कुछ मामलों में, बच्चों को धुंधला दिखाई दे सकता है और उनकी पलकों में सूजन भी आ सकती है, जिससे उन्हें प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता महसूस हो सकती है। खुशकिस्मती से, बच्चों को इन असुविधाजनक आंखों के संक्रमणों से बचाना मुश्किल नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी उपाय अपनाकर हम उनके स्विमिंग अनुभव को सुरक्षित और आनंददायक बना सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण कदम यह है कि बच्चों को हमेशा स्विमिंग गॉगल्स पहनाकर ही पूल में भेजा जाए। ये गॉगल्स उनकी आंखों को पूल के पानी में मौजूद रसायनों और बैक्टीरिया से सीधे संपर्क में आने से बचाते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण उपाय यह सुनिश्चित करना है कि आप केवल उन स्विमिंग पूलों का चुनाव करें जो साफ-सुथरे हों और जिनका रखरखाव नियमित रूप से किया जाता हो। अच्छी तरह से साफ किए गए पूल में संक्रमण का खतरा काफी कम होता है। इसके अलावा, बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि वे अपने तौलिए, गॉगल्स या अन्य व्यक्तिगत सामान दूसरों के साथ साझा न करें, क्योंकि यह संक्रमण फैलने का एक सीधा मार्ग है। बड़े बच्चों के लिए, यदि वे कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, तो उन्हें स्विमिंग के दौरान उन्हें उतारने की सलाह देनी चाहिए, क्योंकि लेंस पानी में मौजूद बैक्टीरिया को फंसा सकते हैं, जिससे गंभीर संक्रमण हो सकता है। अंत में, हर बार स्विमिंग के बाद, बच्चों को अपनी आंखों को साफ और ताजे पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए ताकि किसी भी अवशिष्ट रसायन या कीटाणुओं को हटाया जा सके।

जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

- दिलीप कुमार पाठक

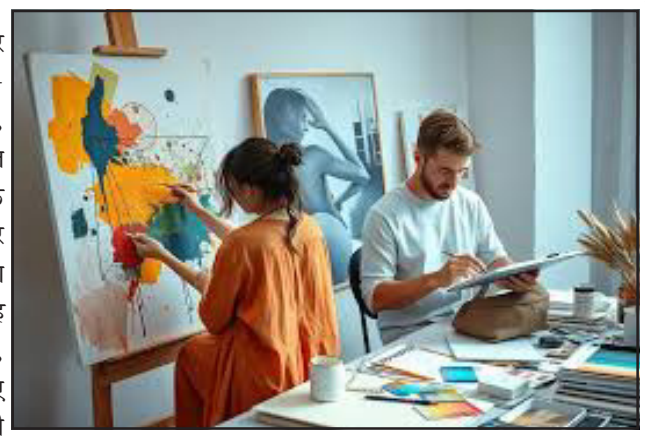

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीर्घाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरुआत बनाएं।

गांव चलो बस्ती चलो अभियान : भाजपा ने 2014 के बाद देश और प्रदेश को दिया खास रंग : आजाद सिंह

- हर घर गली-मुहल्ला पर विशेष फोकस

करनाल, 19 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : इन दिनों भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के हर गांव-गली में लोगों के बीच पहुंच रही हैं। इस के लिए भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता दिन रात जुटा है। कहीं कोई गांव देहात गली-मुहल्ला छूट न जाए, इस पर विशेष फोकस है। इन दिनों लगभग 40 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान की कड़ी धूप और गर्मी की परवाह किए बिना भाजपा कार्यकर्ता अपना लक्ष्य हासिल करने में लगा है। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरपर्सन आजाद सिंह ने विधानसभा नीलोखेड़ी क्षेत्र के गांव प्योंत और गांव गुल्लरपुर में गांव चलों बस्ती चलों अभियान के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। वाइस चेयरपर्सन आजाद सिंह ने कहा गांव चलों बस्ती चलों अभियान में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के शासन 2014 से पहले और बाद के भारत के साथ-साथ इस अवधि में हरियाणा के दौर की पूरी जानकारी की तस्वीर लोगों के समक्ष रखी जा रही है। वर्ष 2014 से पूर्व देश और प्रदेश की दुर्गति और बाद में निरंतर और तेज गति से हुए विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से बताया जा रहा है। उन्होंने कहा वह जिला करनाल का जिक्र करें तो भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, प्रभारी भारत भूषण जुआल, महामंत्री सुभाष कश्यप और मानव पुरी के नेतृत्व में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय उर्जा एवं आवास मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किए जा रहे देश, प्रदेश और जनहित के कामों भाजपा की नींव को और मजबूत एवं गहरी बनाने का काम किया जा रहा है। जिला भर के कार्यकर्ता दिन-रात पूरी मेहनत से जुटे है। आजाद सिंह ने कहा वह स्वयं अभी तक हल्का इंद्री के गांव डेरा हलवाना, गांव सिकंदरपुर, हल्का घरौंडा के गांव फूसगढ़, हल्का नीलोखेड़ी के गांव सीतापुर, प्योंत और गुल्लरपुर सहित काफी गांव व बस्ती में लोगों के बीच मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मंत्रियों, सांसदों व विधायकों द्वारा भाजपा शासन में कराए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों की लोग सराहना कर रहे हैं।

स्वयं-गणना के लिए जिला परिषद कार्यालय में ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन

यमुनानगर, 19 अप्रैल (दिनेश कुमार) : जिला परिषद कार्यालय यमुनानगर में मण्डल आयुक्त अम्बाला संजीव वर्मा व उपायुक्त प्रीति के

आदेशों की अनुपालना में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुशील कुमार की अध्यक्षता में स्वयं-गणना के लिए एक ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समस्त खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, हरियाणा राज्य आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, आई डब्लू एम पी, बाल विकास विभाग व वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वयं-गणना के लिए ट्रेनिंग दी गई व उन्हें स्वयं-गणना 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक करने के लिए प्रेरित किया गया तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद द्वारा मौके पर ही पोर्टल पर अपनी स्वयं-गणना दर्ज कराई गई व सभी उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वयं-गणना करने व अधिक से अधिक जनता को स्वयं-गणना के लिए जागरूक करने बारे निर्देश दिए व आम जनता से आह्वान किया कि आप भी स्वयं-गणना में भाग लेकर जन भागीदारी बढ़ाए।

केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में कार्यशाला लिप्पन आर्ट का आयोजन

करनाल, 19 अप्रैल (परमजीत कौर) : केवीए डीएवी महिला

महाविद्यालय में प्रधानाचार्या मीनू शर्मा के संयोजन में गृह विज्ञान विभाग की ओर से लिप्पन आर्ट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें नव क्रिएशन्स फैशन से आईं नवीन ने छात्राओं को उन्नत स्तर की लिप्पन आर्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को कैनवास बोर्ड पर विभिन्न प्रकार की लिप्पन आर्ट, जिसमें पारंपरिक डिज़ाइन और प्रतीक शामिल थे, बनाना सिखाया। इसके साथ ही छात्राओं ने त्रि-आयामी कला 3-डी आर्ट और रंग संयोजन (कलर कॉम्बिनेशन) की तकनीकें भी सीखी। छात्राओं ने इस कार्यशाला में बढ़-चढक़र भाग लिया और सीखने में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती मीनू शर्मा जी ने प्रशिक्षक की कला एवं छात्राओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन पर बल दिया, जिससे विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सीखने का अवसर मिल सके। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष लखविंदर कौर एवं प्राध्यापिकाएं अपूर्वा, सुष्मिता, तमन्ना, हिमानी, सुनैना, शैफाली, गीतांजलि, आरती, रीना गुप्ता, रीना, मानसी के सहयोग से कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। समापन सत्र में विभागाध्यक्ष ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

गौसेवा के लिए विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने बांटे 1 करोड़ 60 लाख रुपये के चैक

गौसेवा को संस्कृति और मानवता का दायित्व मानकर कार्य कर रही है भाजपा सरकार : भगवानदास कबीरपंथी

तरावड़ी, 19 अप्रैल (छाया शर्मा): प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणा गौसेवा आयोग के माध्यम से गौशालाओं के रखरखाव, विकास और गौवंश के कल्याण के लिए जारी अनुदान राशि के चेक तरावड़ी की गोपाल गौशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक भगवानदास कबीरपंथी द्वारा गौशालाओं के प्रधानों व गोसेवकों को सौंपे गए। इस अवसर पर विधायक ने तरावड़ी गौशाला के लिए करीब 1 लाख 34 हजार रुपये तथा पूरे हलके की विभिन्न गौशालाओं के लिए करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपये के चेक वितरित किए। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि प्रदेश सरकार गौसेवा को केवल परंपरा नहीं, बल्कि संस्कृति और मानवता का दायित्व मानकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहयोग गौशालाओं के रखरखाव, गायों के संरक्षण और सुविधाओं के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में भी गौसेवा के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी और गौशालाओं को हर संभव सहयोग दिया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इस पुनीत कार्य से सेवा, समर्पण और संस्कारों को मजबूती मिलती है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि समाज के लोग भी गौसेवा में अपना योगदान दें और इस पुण्य कार्य को जनआंदोलन बनाएं। कार्यक्रम में उपस्थित गौशालाओं के प्रधानों और गोसेवकों ने विधायक भगवानदास कबीरपंथी के प्रयासों तथा सरकार की इस योजना की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि इस सहायता राशि से गौशालाओं को बड़ा संबल मिलेगा और गौवंश की बेहतर सेवा संभव हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान शांतिवन गोपाल गौशाला की ओर से प्रधान राकेश गर्ग के नेतृत्व में उद्योगपतियों और पदाधिकारियों ने विधायक भगवानदास कबीरपंथी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर गौसेवा से जुड़े अनेक गणमान्य लोग, गौशाला प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गोभक्त उपस्थित रहे। गौसेवा के लिए सरकार की यह बड़ी पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही और कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इसे गौसंरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। इस अवसर पर गौशाला के प्रधान राकेश गर्ग, उद्योगपति रमेश गुप्ता, लाला नाथीराम गुप्ता, कृष्णचंद सिगला, सुशील कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष स्वामी मुकेश भारती, तरावड़ी मंडल अध्यक्ष शिवम बंसल, रामसिंह चौधरी, रणजीत भारद्वाज समेत कई लोग मौजूद रहे।

गौकर्ण गऊ चिकित्सालय का उदघाटन, विधायक और मेयर पहुंचे

गौकर्ण गऊ सेवा संस्था की ओर से बजीदा रोड पर बनाया गया है चिकित्सालय

करनाल, 19 अप्रैल (सोनी दुआ) : गौकर्ण गऊ सेवा संस्था की ओर से करनाल में बजीदा रोड पर गौकर्ण गऊ चिकित्सालय की स्थापना की गई है। रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर चिकित्सालय का विधिवत उदघाटन किया गया। सुबह हवन यज्ञ हुआ। इसके बाद श्री सुंदरकांड का पाठ किया गया। संस्था के पदाधिकारियों समेत कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने गायों की सेवा और सुरक्षा के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेणु बाला गुप्ता ने विशेष रूप से शिरकत की। दोपहर को कढ़ी चावल व गुलदाने प्रसाद का भंडारा वितरण किया गया। गौकर्ण गऊ सेवा संस्था के प्रधान दिनेश गौकर्ण ने चिकित्सालय के निर्माण में भूमि दान व सहयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गायों की पूजा, सेवा और सुरक्षा करने वाले व्यक्ति का जीवन सार्थक हो जाता है। गाय की कृपा से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। परिवारों में सुख समृद्धि आती है। इस मौके पर मेयर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि गाय में 33 कोटि देवी देवता वास करते हैं। गाय को हम अपनी मां के रूप में पूजते हैं। ऐसे में उनकी सेवा करना हमारा दायित्व है। उन्होंने गौकर्ण गऊ सेवा संस्था की पूरी टीम को बधाई दी और भविष्य में इसी प्रकार से पुण्य कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार गायों की सुरक्षा के लिए योजनाएं लागू कर रही है। योजनाओं को पूरा करने में सर्व समाज का सहयोग जरूरी है। प्रधान दिनेश गौकर्ण ने बताया कि 22 सितंबर 2025 में गौकर्ण गऊ चिकित्सालय का निर्माण शुरू किया गया था। लगभग सात महीने में निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक दनियालपुर में किराए की जगह पर चिकित्सालय का संचालन किया जा रहा था। अब ईश्वर की कृपा से बजीदा रोड पर चिकित्सालय का निर्माण सर्व समाज के सहयोग से किया गया है। जल्द ही दलियालपुर से सभी गायों को यहां शिफ्ट कर लिया जाएगा। उन्होंने संस्था की पूरी टीम, गऊ सेवकों और करनालवासियों का आभार प्रकट किया है। हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी फॉर पर्सनस विद स्पीच एंड हीयरिंग इम्पेयरमेंट की चेयरपर्सन मेघा भंडारी, पार्षद संकल्प भंडारी, अमित गुप्ता, जितेन्द्र सिंगला, अभिषेक वत्स, अक्षय गोयल, आनंद मित्तल, आनंद गुप्ता, मुकेश गुप्ता, प्रवीण गोयल, राकेश जिंदल, विनय सिंगला, विकास गुप्ता, अंकित गर्ग, ध्रुव, प्रिंस, ईशान, कृष्ण, ललित, रोहित, नरवीर, वीरेंद्र, रविन्द्र, ऋषभ, प्रमोद, जितेन्द्र, राजू व मंजु खैंची आदि मौजूद रहे।

संगोही गांव में 90 महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण

- महिलाओं को एलईडी बल्ब और लड़ियां बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

करनाल, 19 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : जिले के गांव संगोही में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नाबार्ड के सौजन्य से जन कल्याण समिति द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह और जेएलजी की 90 महिलाओं को एलईडी बल्ब और सजावटी लड़ियां बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। 20 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तीन गांवों में किया गया, जिसमें महिलाओं को एलईडी बल्ब तैयार करने, उनकी मरम्मत करने तथा सजावटी लाइट्स बनाने की तकनीकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के निरीक्षण के दौरान नाबार्ड के डीडीएम हिमांशु खत्री ने महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर बैठे इस कार्य के माध्यम से आय अर्जित कर सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महिलाओं को सामूहिक रूप से कार्य करने के लिए एक वर्ष तक दुकान उपलब्ध कराई जाएगी, जहां वे उत्पादन और बिक्री कर सकेंगी। जन कल्याण समिति की सीईओ आयुषी मान ने कहा कि संस्था महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए एक्सपोजर विजिट और रिफ्रेशर प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे वे अपने कार्य को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकें। कार्यक्रम के दौरान विनय मान ने जानकारी दी कि नाबार्ड के सहयोग से दी हरियाणा अतुल्य नारी शक्ति नामक एफपीओ का गठन किया गया है, जिसमें 500 महिलाएं जुड़ी हुई हैं और यह संगठन डेयरी फार्मिंग के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें महिलाओं को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

नशा रोकने के लिए मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दें जानकारी : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 19 अप्रैल (सुदेश कुमार) : डीसी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नशा मुक्त भारत 2047ज् अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्कोटिक्स तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अहम कदम उठाया गया है। इस दिशा में गृह मंत्रालय द्वारा नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन -1933 संचालित किया जा रहा है। यह हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे प्रतिदिन सक्रिय रहता है और नागरिकों को किसी भी समय नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी साझा करने की सुविधा दे रहा है। उन्होंने कहा कि नशे से संबंधित सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे लोग बिना किसी डर या संकोच के नशीली दवाओं के अवैध व्यापार से जुड़ी जानकारी साझा कर सकें। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल समाज में व्याप्त नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि इससे युवाओं को भी इस बुराई से बचाने में बल मिलेगा। केंद्र सरकार का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाना है और इस दिशा में जन-सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की नशीली दवाओं के व्यापार, तस्करी की जानकारी हो, तो वे गृह मंत्रालय द्वारा नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन नंबर 1933 पर तुरंत सूचित करें।

मूनक में महिलाओं व प असंध के विधायक ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम देखा

मूनक, 19 अप्रैल (जयभगवान): महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो महिलाओं ने शनिवार को गांव मूनक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को देखा । यह कार्यक्रम सरपंच के निवास स्थान पर सुना गया। जिसमें असंध के विधायक योगेंद्र राणा, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण राणा, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश, सरपंच फूल कुमारी,दलवीर पंच ओम, प्रकाश पंच,तीजो देवी सैकड़ो महिला मौजूद रही। जिसमें प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए महिला आरक्षण बिल बनाया परन्तु पास न होने के कारण विपक्ष पर प्रहार किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान कहां की वह महिलाओं से बात करने के लिए आया है बिल न आने के कारण महिलाओं का सपना कुचला गया है। इसके पास न होने पर विपक्ष को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा । नारी सब भूल जाती है अपना अपमान नहीं भूलती समय आने पर इसका उनको जवाब देना होगा। विधायक योगेंद्र राणा ने बताया कि हमारा विपक्ष नहीं चाहता महिलाओं का उत्थान हो और महिला बराबरी का हिस्सा हो । उन्होंने बताया हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का यह सपना है महिलाओं के लिए अधिक से अधिक आरक्षण दिया जाए ताकि हमारे देश में महिला किसी से पीछे न रहे।

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को : सुमित्रा कादियान

यमुनानगर, 19 अप्रैल (दिनेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने बताया कि दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई 2026 को शनिवार के दिन आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक मामले, धारा-138 के तहत एनआई एक्ट के मामले, बैंक रिकवरी केस, एमएसीटी मामले, वैवाहिक विवाद मामले, श्रम विवाद मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी से संबंधित मामले (गैर शमन योग्य मामलों को छोड़कर) वेतन और भत्ते तथा पुनः परीक्षण लाभ से संबंधित सेवा मामले, और राजस्व व अन्य सहायक मामले जो कि सुलझाने योग्य हैं इस अदालत में लिए जाएंगे। सीजेएम ने बताया कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है। कानूनी सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर-15100 पर सम्पर्क कर सकते है।

दयालु योजना के तहत मृत्यु या दिव्यांग होने पर दी जाती है आर्थिक सहायता : डॉ. आनंद कुमार शर्मा

करनाल, 19 अप्रैल (प्रवीन) : डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत मृतक व्यक्ति की आयु 6 से 60 वर्ष तक होनी चाहिए। परिवार के द्वारा मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की स्थिति में घटना की तिथि से तीन महीने के भीतर आवेदन करना होगा। आयु अनुसार बात करें तो छह से 12 वर्ष तक की आयु के लिए एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की आयु के लिए दो लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए तीन लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए 5 लाख रुपये तथा 45 से 60 वर्ष तक की आयु के लिए 3 लाख रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र व्यक्ति को www.dapsy.finhry.gov.in वैबसाईट पर जाकर आवेदन करना होगा। इसके बाद पीपीपी आईडी नंबर दर्ज करें और गेट ओटीपी पर क्लिक करें। ओटीपी दर्ज करने के बाद उसे सबमिट करें। इसके बाद परिवार के सदस्यों को प्रदर्शित किया जाएगा, फिर लाभार्थी आवश्यक व्यक्तिगत विवरण भरने के बाद फार्म जमा कर सकते हैं।

एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें

डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्ति दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त करें। एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2996024 तथा ईमेल dayaluhelpline@gmail.com पर संपर्क कर सकता है।

नबीपुर में 94 लाख से अधिक के विकास कार्यों का उदघाटन व शिलान्यास

हर वर्ग के लिए काम कर रही है सरकार : हरविन्द्र कल्याण

करनाल, 19 अप्रैल (सुमन लता) : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कुंजपुरा ब्लाक के गांव नबीपुर में 94 लाख 28 हजार से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ग्रांट की कमी रही तो और भिजवा देंगे। कल्याण ने सरकार हर वर्ग को ऊपर उठाने के लिए कार्य कर रही है। घरौंडा हलके में पिछले 11 सालों में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। कल्याण ने नबीपुर के शिव मंदिर में आयोजित हवन-यज्ञ में आहूति डाली। उन्होंने 20.8 लाख की लागत से बनने वाली कम्बोज चौपाल, 10 लाख से बनने वाले अंबेडकर भवन और 26.20 लाख रुपये से कराए जाने वाले औषधालय के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इसके अलावा 23 लाख से बनी महिला चौपाल व शैड तथा 15 लाख से बनी गोरक्षनाथ चौपाल का उदघाटन किया। उन्होंने कहा कि विकास के लिए धनराशि की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

अड़चने भी आई पर काम भी बहुत हुए- विधानसभा अध्यक्ष का गांव पहुंचने पर पगड़ी पहनाकर, पुष्प गुच्छ देकर व गदा भेंट कर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार लोगों की बेहतरी के लिए काम कर रही है। पिछले 10-11 सालों में अड़चनें भी बहुत आईं और काम भी बहुत हुए। इस समय भी दुनिया के कई देशों के बीच युद्ध जारी है जिसका असर अन्य देशों पर भी पड़ रहा है। ऐसे हालात में सरकार ने देश की रिफाइनरीज को तेल का उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं ताकि आम आदमी को परेशानी न उठानी पड़े। तारकोल की कमी से सडक़ों का कार्य प्रभावित हुआ है लेकिन अब मुख्यमंत्री ने दूसरे देशों से तारकोल मंगवाने की बात कही है।

गरीब परिवारों के बच्चे बन रहे अफसर- उन्होंने कहा कि यह पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा की गई व्यवस्था परिवर्तन का ही नतीजा है कि आज गरीब परिवारों के बच्चे भी मेहनत के बल पर अफसर बन रहे हैं। हलके के गांव कोहंड में करीब 125 युवाओं को नौकरी मिल चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग की भलाई के लिए काम कर रही है। कल्याण ने कहा कि लंबित छोटे-मोटे विकास कार्यों पर 6 महीने में काम पूरा कर लिया जाएगा।

रिंग रोड व मेडिकल यूनिवर्सिटी का उदघाटन इसी साल - विधानसभा अध्यक्ष ने ग्रामीणों से बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने, उन्हें अच्छाई-बुराई का अंतर समझाने, गलत रास्ते पर न चलने देने और एक श्रेष्ठ नागरिक बनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि हलके में बन रही मेडिकल यूनिवर्सिटी और रिंग रोड का इसी साल और एनसीसी अकादमी का डेढ़ साल में उद्घाटन कर दिया जाएगा। आने वाले समय में रेपिड रेल का काम भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने हलके में पिछले 11 साल में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। बताया कि यमुना बेल्ट में नई आईटीआई का काम भी जल्द शुरू हो जाएगा। उन्होंने लोगों से तरक्की की सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की। इस मौके पर बीडीपीओ गुरमालक, मंडल अध्यक्ष सचिन राणा, कोषाध्यक्ष जोगेंद्र भट्टी, महामंत्री राजेश लाठर, संतलाल आदि मौजूद रहे।

सत्य, ज्ञान और धर्म के प्रतीक हैं भगवान परशुराम : डॉ. बलराम शर्मा

भव्य रूप से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव, डॉ. बलराम शर्मा ने बताई उनकी महिमा

दिल्ली, 19 अप्रैल (संदीप रोहिला) : विश्व ब्राह्मण संघ द्वारा दिल्ली के आंध्रा एसोसिएशन इंस्टीट्यूशनल एरिया लोधी रोड में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया गया। जिसमें डीएवी कॉलेज करनाल के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. बलराम शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर विश्व ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष पंडित शशिकांत शर्मा, राष्ट्रीय सचिव पंडित अभिषेक दत्त एवं प्रदेश महामंत्री एडवोकेट कैसी भारद्वाज ने उनका व सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ बलराम शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम सत्य और ज्ञान के प्रतीक हैं। वह विश्व का कल्याण चाहते हैं, उनकी वाणी लोक कल्याणकारी है। विश्व में उनके अनुयाई उनकी शिक्षाओं का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ उनकी शिक्षाओं मे विश्व शांति की झलक देखी जा सकती है वहीं दूसरी तरफ वह विश्व से आततायी लोगों का सर्वनाश चाहते हैं और विश्व में शांति और सदभावना स्थापित करना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि विश्व में सभी लोग खुशहाल रहें। सभी को अनिवार्य रूप से शिक्षा एवं रोजगार प्राप्त हो। उनकी शिक्षाओं के प्रचार से विश्व में मंगल किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पंडित बलबीर शर्मा ने सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई दी। कार्यक्रम में विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित शशिकांत शर्मा ने भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार बताया। दिल्ली विश्व ब्राह्मण संघ के प्रदेश महामंत्री एडवोकेट के.सी भारद्वाज ने भगवान परशुराम की महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम के अंत में विश्व ब्राह्मण संघ के सभी पदाधिकारीयों ने डॉ बलराम शर्मा व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पंडित सुखबीर शर्मा, पंडित आरएस गोस्वामी, पंडित के.सी पांडे, पंडित धर्मपाल शर्मा व पंडित विनोद शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

री मां मेहंदीपुर ले चाल, याद मनै आवे बालाजी...

लाडले मेहंदीपुर वाले दे सेवा मंडल द्वारा श्री बालाजी के भव्य जागरण का आयोजन

लाडवा, 19 अप्रैल (रामगोपाल): शनिवार को लाडवा के शिवाला राम

कुंडी में लाडले मेहंदीपुर वाले दे सेवा मंडल द्वारा श्री बालाजी का भव्य जागरण करवाया गया। जिसमें प्राचीन हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी जगदंबा प्रसाद द्वारा पूजन करवा कर बालाजी महाराज की ज्योत प्रज्वलित की गई। ज्योत पंचमुखी हनुमान मंदिर बिलासपुर से लाई गई थी। भजन सम्राट नरेंद्र कौशिक ने बालाजी महाराज के भजनों के माध्यम से सारा माहौल भक्तिमय कर दिया तथा सभी उपस्थित हजारों श्रद्धालु भाव विभोर होकर उनके भजनों पर थिरक उठे। उनके द्वारा गए भजन मां मेहंदीपुर ले चाल, याद मनै आवे बालाजी.... पर जागरण स्थल श्री बालाजी महाराज के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर शहर व आसपास के गांव से आए हुए हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे का तथा ज्योत का प्रसाद ग्रहण किया। अंजनी पुत्र सेवा मंडल ने संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान चप्पल व जूतों की सेवा प्रदान करके प्रशंसनीय कार्य किया। इस अवसर पर राहुल अरोड़ा, रामू सैनी, राजन कक्कड़, सुमित रोहिल्ला, सतीश धवन, अजय डबास, अंकित गुप्ता, मोहन लाल गर्ग, कशिश सचदेवा, रमन बजाज, कबीर सचदेवा, राजेश अरोड़ा, चौधरी जोगध्यान, विजय तनेजा, मुकेश शर्मा, जरनैल सिंह इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

फायर कर्मचारियों की हड़ताल नरवाना मे 11वें दिन भी जारी, मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नरवाना, 19 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : फायर कर्मचारियों की हड़ताल लगातार ग्यारहवें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन जारी रखते हुए सरकार के खिलाफ रोष

जताया।आज के धरने की अध्यक्षता सुभाष चंद ने की जबकि मंच संचालन ब्लॉक नरवाना प्रधान राजा सिंह गुरथली ने किया। धरने को रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने भी समर्थन दिया, जिनमें राजेन्द्र कुमार, ईश्वर सच्चाखेड़ा, सरदार सिंह चहल, मास्टर बलजीत सिंह, मास्टर सतवीर और मेवा सिंह डीएचबीवीएन प्रमुख रूप से शामिल रहे।धरने को संबोधित करते हुए राजा सिंह गुरथली ने कहा कि फरीदाबाद में हुए भीषण अग्निकांड में शहीद हुए फायर कर्मचारियों भवी चंद शर्मा और रणवीर सिंह के परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि दोनों शहीदों के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को पक्की नौकरी तथा शहीद का दर्जा दिया जाए। इसके अलावा कर्मचारियों ने अपनी 22 सूत्रीय मांगों को दोहराते हुए कहा कि कच्चे फायर कर्मचारियों को 58 वर्ष तक नौकरी की गारंटी, पे-रोल व कौशल कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी, 5000 रुपये मासिक जोखिम भत्ता, 7500 रुपये वर्दी भत्ता, 500 रुपये धुलाई भत्ता, नियमित कर्मचारियों को एसीपी व प्रमोशन का लाभ, एलटीसी सुविधा तथा त्योहारों पर ड्यूटी के बदले अतिरिक्त वेतन दिया जाए।कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक धरना-प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।इस मौके पर राज्य उपप्रधान सत्यवान सिंह पान्नू सहित सोहन लाल, जयभगवान, पवन कुमार, अंग्रेज सिंह, सत्यवान नैन, विनोद कुमार, वीरेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार, कपिल, सुरेंद्र, प्रदीप कुमार, कमलजीत, राममेहर, सुरेश, रामनिवास, अजैब सिंह ढिल्लों, शम्मी व अन्य फायर कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भगवान परशुराम ने समाज को अन्याय के विरुद्ध लड़ने की दिखाई राह : नवीन जिन्दल

भगवान परशुराम के सिद्धांतों को अपनाकर आगे बढ़ें युवा : नवीन जिन्दल

पूंडरी,19 अप्रैल (जगदीश चन्द्र): सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि भगवान परशुराम ने समाज को अन्याय के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने की राह दिखाई उनके दिए सिद्धांतों को जीवन में अपना कर इंसान सदैव तरक्की कर सकता है। सांसद नवीन जिन्दल गांव फरल तथा ब्राह्मण समाज कल्याण समिति पूंडरी द्वारा भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार महापुरुषों की जयंती के कार्यक्रम प्रदेश स्तर पर मनाकर सभी वर्गों को पूरा मान सम्मान दे रही है। उन्होंने कहा कि कैथल में भगवान परशुराम के नाम पर लगभग

1000 करोड रुपए की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। इस संस्थान के बनने से प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा शिक्षा चिकित्सा के क्षेत्र में नहीं क्रांति आएगी। इस वर्ष के अंत तक इस काम के पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने फरल में ब्राह्मण समाज को 21 लाख रुपए की राशि विकास कार्यों के लिए देने की घोषणा की। सांसद जिन्दल ने कहा कि ब्राह्मण समाज का आशीर्वाद सदैव उन पर रहा है। उनका कोई भी कार्य ब्राह्मणों द्वारा करवाई जाने वाली पूजा से ही शुरू होता है। ब्राह्मण समाज कल्याण समिति पूंडरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने समिति को 11 लाख रुपए शौचालय के निर्माण के लिए देने की घोषणा की और आश्वासन दिया कि जो भी आवश्यकता समाज को होगी, वे सदैव साथ खड़े हैं। इस अवसर पर विधायक सतपाल जांबा ने घोषणा करते हुए कहा कि पूंडरी में पाई रोड पर भगवान परशुराम के नाम पर चौक स्थापित किया जाएगा। साथ ही एक पार्क भी भगवान परशुराम के नाम पर बनेगा। उन्होंने बताया कि ब्राह्मण समाज कल्याण समिति के हाल के लिए 47 लाख रुपए का एस्टीमेट तैयार किया गया है। जल्द ही इसे अप्रूवल दिलाकर यहां निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। गांव फरल में विधायक सतपाल जांबा ने ब्राह्मण समाज को 5 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की। ब्राह्मण समाज ने सांसद नवीन जिन्दल को पगड़ी पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर गांव फरल में उनके साथ पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, पूर्व विधायक तेजवीर सिंह, नरेंद्र शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि साहब सिंह, मनीष शर्मा, ब्राह्मण सभा के प्रधान मास्टर रामकुमार, जयपाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, नरेंद्र शर्मा पिलनी, सीता राम राणा, सुरेश शास्त्री, कुलदीप राणा, विक्की शर्मा, जगविंदर सिंह विर्क, खुशवीर कौशिक, शिवपुरी, कृष्ण शर्मा चेयरमैन, सुभाष हजवाना, निधि मोहन, चेतन पुरी, हर्ष सेठी, रविंद्र शास्त्री, जीत राम शर्मा, अश्वनी कौशिक, प्रमोद शर्मा, बिशन दत्त, जोगिंदर शर्मा, प्रदीप शर्मा बदनारा, राजेश शर्मा, संजय शर्मा, जीवन भारद्वाज, वेद प्रकाश शर्मा, सरदार अजीत सिंह हाबड़ी, अनिल आर्य, मोहित शर्मा, भूप सिंह सैनी, वीणा सेठी, श्रवण सिंगला राजेश मुनारहेड़ी, नितेश सिकंदर खेड़ी, सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह व कैथल प्रभारी रविन्द्र धीमान सहित कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा सरकार की दूरदर्शी सोच का उद्योग जगत को भी सीधा फायदा : प्रदीप गुप्ता

बोले : केंद्रीय मंत्री खट्टर का काम करने का तरीका और उनके नेतृत्व के परिणाम बेहतरीन

तरावड़ी, 19 अप्रैल (छाया शर्मा): श्री हंस राइस एंड जनरल मिल के सीएमडी प्रदीप गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री एवं करनाल लोकसभा सांसद मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में क्षेत्र में चौमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास योजनाओं का लाभ हर वर्ग तक पहुंच रहा है, वहीं उद्योग जगत को भी सरकार की दूरदर्शी सोच का सीधा फायदा मिल रहा है। उद्योगपति प्रदीप गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की कार्यशैली से न केवल आमजन बल्कि बड़े-बड़े राजनेता और दिग्गज नेता भी प्रभावित हैं।

उन्होंने कहा कि खट्टर की पारदर्शी कार्यप्रणाली, विकास केंद्रित सोच और मजबूत नेतृत्व के चलते हरियाणा और करनाल में विकास कार्यों को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही उद्योग, बुनियादी ढांचे, रोजगार और जनहित से जुड़ी योजनाओं ने विकास को गति दी है। प्रदीप गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री खट्टर का काम करने का तरीका और उनके नेतृत्व के परिणाम बेहतरीन हैं, जिसका असर आज क्षेत्र के विकास और जनता के विश्वास में साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की उद्योग हितैषी नीतियों, बेहतर सड़क नेटवर्क, बिजली व्यवस्था, डिजिटल सेवाओं और निवेश को बढ़ावा देने वाली योजनाओं से व्यापार और उद्योग जगत को बड़ा लाभ मिला है। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है। प्रदीप गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री खट्टर के नेतृत्व में करनाल लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की नई मिसाल कायम हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और जनसुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जिससे आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ काम कर रही है तथा आने वाले समय में भी विकास की यह गति और तेज होगी। खट्टर के नेतृत्व में क्षेत्र निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

आधार कार्ड को निशुल्क अपडेट कराने की तारीख बढ़ाई 14 जून

कुरुक्षेत्र, 19 अप्रैल (करणदीप सिंह) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड को निशुल्क अपडेट कराने की तारीख बढ़ाकर 14 जून कर दी गई है। यह मुफ्त सेवा केवल च्माय आधार पोर्टलज् पर उपलब्ध है।उन्होंने कहा कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को नाम, जन्म तिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। निर्धारित तिथि के बाद आधार अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना जरूरी है। नागरिक खुद भी वेबसाइट पर जाकर इसे अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर आधार कार्ड अपडेट कराया जा सकता है।

सभी भगवान परशुराम के दिखाए धर्म के रास्ते पर चलें : गुरनाम उदारसी

बाबैन, 19 अप्रैल (राजेश कुमार) : गांव कोलापुर में भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैनी समाज के प्रदेश अध्यक्ष गुरनाम उदारसी ने विशेष रूप से पहुंचकर भगवान परशुराम को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके चरणों में नमन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं समाज के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुरनाम उदारसी को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गुरनाम उदारसी ने उपस्थित जनसमूह को भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम ने धरती से पाप और पापियों के विनाश के लिए अवतार लिया था। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने समाज में धर्म की स्थापना और अधर्म के अंत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उन्होंने आगे कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें सच्चाई, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज के समय में हमें उनके आदर्शों को अपनाते हुए समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना चाहिए तथा देश और धर्म की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने भगवान परशुराम के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।इस मौके पर सोम प्रकाश शर्मा, नीरम पाल, अनंत राम, अवतार सैनी, राज कुमार, रमेश कुमार, फकीर चंद, विष्णु, शमी कौशिक सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बतौड में भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई, शोभा यात्रा व भंडारे का आयोजन

बरवाला, 19 अप्रैल (प्रवीन कुमार): गांव बतौड में भगवान परशुराम जयंती बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान परशुराम की विधिवत पूजा-अर्चना की गई और विशाल भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और भगवान परशुराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने हाथों में भगवान परशुराम के प्रमुख शस्त्र फरसे लेकर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस मौके पर पूर्व सरपंच लक्ष्मण बतौड ने भगवान परशुराम की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और गांव व क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई और धर्म की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में भगवान परशुराम के आदर्शों—सत्य, साहस, अनुशासन और न्याय—को अपनाने की आवश्यकता है, ताकि समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त किया जा सके और एक सशक्त व समृद्ध समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र और समाज की सेवा करें।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के काफिले को रोकने पर बवाल, जेजेपी ने बताया काला दिन

नरवाना, 19 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार): हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के काफिले को 17 अप्रैल को पुलिस द्वारा रोके जाने की घटना ने सियासी माहौल गर्मा दिया है। जननायक जनता पार्टी ने इस मामले को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता बिट्टू नैन ने इस घटना को प्रदेश के लोकतंत्र के लिए काला दिन करार देते हुए कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि हिसार में जिस तरह से पूर्व डिप्टी सीएम के काफिले को रोका गया हथियार दिखाए गए और धमकाने की कोशिश की गई वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।जेजेपी नेता ने आरोप लगाया कि जब भी पार्टी के नेता जनता और विद्यार्थियों की मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाते हैं तो सरकार पुलिस के जरिए उन्हें दबाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि वाई प्लस सुरक्षा प्राप्त नेता की गाड़ी को जबरन रोकना और पिस्टल तानना किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है।उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि पुलिस की मंशा सही थी तो दुष्यंत चौटाला द्वारा गाड़ी रोकने के संकेत देने पर पुलिसकर्मी वहां से क्यों हट गए।

वर्तमान में अहिंसा परमो धर्म की भावना पहले से अधिक प्रासंगिक : नायब सिंह सैनी

कहा : प्रधानमंत्री संस्कृति को सहेज कर भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में कर रहे काम

करनाल में पीयूष ब्लाक अस्पताल के प्रथम तल का किया शिलान्यास, दो पक्षी मीनारों व जीव सेवा केंद्र का भी किया उद्घाटन

इंद्री, 19 अप्रैल (बिशपाल राणा) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जैन धर्म की मूल भावना-अहिंसा परमो धर्म:, पहले से अधिक प्रासंगिक है। यह दुनिया के विभिन्न संघर्षों, युद्धों और हिंसा के बीच शांति और प्रेम का संदेश दे रही है। इस धर्म का वर्षी तप पारणा पर्व आज युवा वर्ग के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायी है। यह आत्मनियंत्रण और धैर्य का महत्व समझाता है। यदि युवा पीढ़ी इन मूल्यों को जीवन में अपनाएं तो उनके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र भी प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। मुख्यमंत्री रविवार को करनाल में श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर में आयोजित विशेष धर्म सभा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने पीयूष ब्लॉक अस्पताल के प्रथम तल का शिलान्यास, दो पक्षी मीनारों व जीव सेवा केंद्र का उद्घाटन भी किया। उन्होंने अस्पताल में दाखिल मरीजों का हालचाल जाना व मंदिर में भगवान श्री घण्टाकर्ण महावीर की आराधना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने समाजसेवियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज अक्षय तृतीया है। आज ही भगवान परशुराम जी अवतरित हुए थे। आज वर्षी तप पारणा पर्व भी है। भगवान ऋषभ देव ने 400 दिनों के उपवास का गन्ने के रस से

पारणा किया था। उन्होंने प्रदेशवासियों को इन पावन दिवसों की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज वर्षी तप पारणा पर्व आराधना मंदिर में मनाया जा रहा है। यह हिन्दू, जैन तथा बौद्ध परंपराओं में सम्मानित स्थान प्राप्त महा प्रभावी घण्टाकर्ण महावीर देवता का तीर्थ है। यहां महाप्रभावी ओसिया माता का धर्मस्थल भी है। यहां गुरुदेव मनोहर मुनि का समाधि मंदिर आस्था का केन्द्र है। यहां हर महीने लोगों को जीवन जीने की कला के मार्गदर्शन के लिए आत्म शान्ति शिविरों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्षी तप पारणा पर्व महावीर दानवीर कर्ण की नगरी में मनाया जा रहा है। महावीर कर्ण स्वयं महादानी और दृढ़ व्रती थे। इस नगरी में उनकी आध्यात्मिक तरंगें आज भी फैली हुई हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके सामने आज भी अनेक महादानी और दृढ़ व्रती बैठे हैं।उन्होंने कहा कि करनाल आने पर उन्हें यहां की समाज सेवी संस्थाओं से विशेष प्रेरणा मिलती है। सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत न केवल निरंतर प्रगति कर रहा है, बल्कि प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को भी पूरी दुनिया में नई पहचान दिला रहा है। पिछले 11 वर्षों में देश में सांस्कृतिक संरक्षण और पुनरुद्धार के ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण, महाकालेश्वर कॉरिडोर, और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में उस पवित्र स्थल का जीर्णोद्धार किया गया है जहां भगवान श्री कृष्ण ने गीता का अमर संदेश दिया था। प्रधानमंत्री न केवल आधुनिक भारत के निर्माण में जुटे हैं, बल्कि गुरुओं और मुनियों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म में कठोर तप व त्याग का बड़ा महत्व है। जैन अनुयायी 14 सालों तक कठोर तप करके मुनि बनता है। वर्षी तप का भी जैन धर्म की महान तप परंपरा में विशेष स्थान है। यह आत्म शुद्धि, संयम और त्याग का व्रत है। जैन धर्म ने सदियों से मानव मात्र को जीवन की सच्ची राह दिखाई है। तीर्थंकरों और मुनियों द्वारा स्थापित मूल्यों व सिद्धांतों को अपनाकर ही मानव सभ्यता फल-फूल रही है। उन्होंने कहा कि संत गौरव पीयूष मुनि महाराज ने अपनी साधना के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्र निर्माण, जीव दया, प्रकृति संरक्षण आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पावन धरा पर जैन धर्म का बोलबाला रहा है। गुरुग्राम, रोहतक, फरीदाबाद, भिवानी और हिसार के क्षेत्र हजारों वर्ष पूर्व जैन संस्कृति से ओत-प्रोत रहे हैं। इन क्षेत्रों में मिले शिलालेख व तीर्थंकरों की प्रतिमाएं इस बात का प्रमाण हैं। आज भी प्रदेश के हर क्षेत्र में जैन मंदिर तथा स्थानक स्थित है। जैन समाज का प्रदेश के विकास में बड़ा योगदान है। सरकार राज्य में सभी धर्मों के सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार का संकल्प है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बुजुर्ग श्रद्धालु धन के अभाव में तीर्थ यात्रा से वंचित न रहें। इसी उद्देश्य से सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना चलाई हुई है। अब 5 मई को नांदेड़ साहिब के लिए कुरुक्षेत्र से ट्रेन भेजी जाएगी। इस अवसर पर पीयूष मुनि जी महाराज ने कहा कि अक्षय तृतीया का दिन भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि यह त्याग, तपस्या और दान की पराकाष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ केवल भौतिक सुख-सुविधाओं, मनोरंजन या बाहरी दिखावे तक सीमित नहीं है। सच्ची आध्यात्मिकता हमारे भीतर के प्रकाश को जगाने और जनसेवा के मार्ग पर चलने में निहित है। उन्होंने बताया कि भगवान ऋषभदेव ने 12 महीने तक निरंतर तपस्या की। उस समय लोग मुनि चर्या और भिक्षा की विधि से अनभिज्ञ थे। राजा होने के बावजूद, जब वे भिक्षा के लिए जाते, तो लोग उन्हें चांदी, मोती और कीमती वस्तुएं भेंट करते थे, जिन्हें वे स्वीकार नहीं करते थे, 12 महीने के लंबे अंतराल के बाद, उनके पौत्र श्रेयांश कुमार ने देवी प्रेरणा से उन्हें इक्षु रस (गन्ने का रस) आहार के रूप में प्रदान किया, जिससे उनका पारणा (तपस्या का समापन) हुआ। यह घटना हमें सिखाती है कि सही समय पर किया गया निस्वार्थ दान और सेवा का कितना बड़ा मूल्य होता है। उन्होंने बताया कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी अक्षय तृतीया का महत्व अद्वितीय है। जहां अन्य तिथियां चंद्रमा की गति के साथ घटती-बढ़ती हैं, वहीं अक्षय तृतीया का पुण्य कभी क्षय नहीं होता।

इस मौके पर इंद्री के विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, पीयूष मुनि जी महाराज, संयमेश मुनि जी महाराज, नगर निगम की मेयर रेणू बाला गुप्ता, जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा, पूर्व मंत्री कविता जैन, प्रशासन की ओर से उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

21 मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर शनिवार सायं तक हुई 2 लाख 80 हजार 904.3 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, 19 अप्रैल (ब्यूरो): जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केन्द्रों में गेहूं की आवक व खरीद कार्य जारी है। शनिवार देर सायं तक जिले की 21 मंडियों व खरीद केंद्रों में कुल 02 लाख 80 हजार 904.3 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की गई, जिसे विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा गया। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि 02 लाख 80 हजार 904.3 मीट्रिक टन गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 44 हजार 90.2 मीट्रिक टन, हैफेड ने 01 लाख नौ हजार 835 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन(एचडब्ल्यूसी) ने 01 लाख 25 हजार 431.12 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 01 हजार 548 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। उन्होंने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि गांव बरोदा स्थित खरीद केन्द्र पर 02 हजार 60 मीट्रिक टन, गांव भैंसवाल स्थित खरीद केन्द्र पर 03 हजार 555 मीट्रिक टन, गांव बिचपड़ी स्थित खरीद केन्द्र पर 375 मीट्रिक टन, गांव दातौली स्थित खरीद केन्द्र पर 05 हजार 220.7 मीट्रिक टन, गांव फरमाणा स्थित खरीद केन्द्र पर 08 हजार 797.2 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 17 हजार 646.5 मीट्रिक टन, गोहाना अनाज मण्डी में 01 लाख 13 हजार 435.6 मीट्रिक टन, गांव कांसड़ी स्थित खरीद केन्द्र पर 06 हजार 625 मीट्रिक टन, गांव कथूरा स्थित खरीद केन्द्र पर 04 हजार 465.4 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इसी तरह से गांव खानपुर स्थित खरीद केन्द्र पर 05 हजार 304.22 मीट्रिक टन, खरखौदा अनाज मण्डी में 32 हजार 448.5 मीट्रिक टन, गांव मुडलाना स्थित खरीद केन्द्र पर 05 हजार 105 मीट्रिक टन, गांव मुरथल स्थित खरीद केन्द्र पर 4 हजार 760.5 मीट्रिक टन, गांव नाहरा स्थित खरीद केन्द्र पर 04 हजार 60 मीट्रिक टन, गांव पुगथला स्थित खरीद केन्द्र पर 10 हजार 51.2 मीट्रिक टन, गांव पुरखास स्थित खरीद केन्द्र पर 05 हजार 700.1 मीट्रिक टन, गांव रूखी स्थित खरीद केन्द्र पर 06 हजार 754.7 मीट्रिक टन, गांव सनपेड़ा स्थित खरीद केन्द्र पर 06 हजार 195.5 मीट्रिक टन, सोनीपत अनाज मण्डी में 36 हजार 796.2 मीट्रिक टन तथ सोनीपत सीलो खरीद केंद्र पर 01 हजार 548 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक जिले की मंडियों में 16 हजार 734 किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे हैं, जिनसे 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीद की गई है।

खरीद एजेंसियों ने अब तक खरीदी 400551 मीट्रिक टन गेहूं : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 19 अप्रैल (करणदीप सिंह) : डीसी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र के खरीद केन्द्रों व मंडियों में गेहूं की खरीद का कार्य खाद्य आपूर्ति, हैफेड तथा हरियाणा वेयर हाउस एजेंसी द्वारा शुरू कर दिया गया है। इन तीनों एजेंसियों ने 18 अप्रैल को देर सायं तक 400551 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद का कार्य पूरा कर लिया है। इस सीजन में गेहूं का 2585 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि जिले में 126738 एमटी गेहूं का उठान कार्य पूरा किया गया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में गेहूं की खरीद करने के लिए 25 खरीद केन्द्र व मंडिया स्थापित की गई है। इन मंडियों से खाद्य आपूर्ति, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन की तरफ गेहूं की खरीद का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा अमीन में 1758 एमटी, बाबैन मंडी में 20821 एमटी, भौर सैंदा में 3919 एमटी, गुमथला गढ़ु में 18075 एमटी, इशाक में 3922 एमटी, इस्माइलाबाद मंडी में 34522 एमटी, झांसा मंडी में 7813 एमटी, कराह साहब में 7633 एमटी, थानेसर मंडी में 46502 एमटी, लाडवा मंडी से 40497 एमटी, नलवी में 740 एमटी, नीमवाला में 4261 एमटी, पिहोवा मंडी में 21828 एमटी, पिहोवा एक्सटेंशन मंडी में 7486 एमटी, पिपली मंडी से 10492 एमटी, शाहबाद से 21935 एमटी, थाना में 2837 एमटी, ठोल मंडी से 11802 एमटी गेहूं खरीद गया है। उन्होंने कहा कि हैफेड द्वारा अजराना कला में 2657 एमटी, बोधनी मंडी में 3262 एमटी, चढ़ुनी जाटान मंडी में 1766 एमटी गेहूं, इस्माईलाबाद मंडी से 21482 एमटी, झांसा मंडी में 1032 एमटी, किरमच में 1810 एमटी, थानेसर 29496, लाडवा मंडी में 8545 एमटी, लुखी में 3050 एमटी, मलिक पुर में 5505 एमटी, पिहोवा मंडी में 17216 एमटी गेहूं, पिहोवा एक्टेंशन मंडी में 7606 एमटी गेहूं, पिपली मंडी में 7986 एमटी गेहूं, शाहबाद मंडी में 13007 एमटी गेहूं खरीद कार्य पूरा किया गया है। इसी तरह हरियाणा वेयरहाउस द्वारा बारना में 2505 एमटी, बोधनी में 2340 एमटी, ठोल में 4443 एमटी गेहूं खरीद कार्य को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में अधिकारियों को विशेष हिदायत दी गई है कि उठान कार्य पर विशेष फोकस रखा जाए ताकि व्यापारियों और किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए। उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है।

परशुराम जयंती पर खेड़ा शिव मंदिर में श्रद्धा का सैलाब- भंडारे में जुटे सैकड़ों भक्त

रायपुररानी में हवन-पूजन के साथ हुआ शुभारंभ, दिनभर गूंजते रहे जयकारे

रायपुररानी, 19 अप्रैल (ब्यूरो): रायपुररानी स्थित खेड़ा शिव मंदिर में परशुराम जयंती के अवसर पर रविवार को भव्य धार्मिक आयोजन हुआ,

जिसमें सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर पूरे दिन हर-हर महादेव और परशुराम भगवान के जयकारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे हवन-पूजन से हुई, जिसमें पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने आहुति डालकर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। 11 बजे पूर्णाहुति के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन ब्राह्मण समाज कल्याण संघ रायपुररानी के तत्वावधान में संपन्न हुआ। आयोजन समिति के प्रधान अरविंद वशिष्ठ, महासचिव रामेन्द्र नाथ शर्मा, सचिव डॉ. विनोद शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल वशिष्ठ, जितेन्द्र नाथ शर्मा, भाजपा नेता सोनू शर्मा, नीरज शर्मा, रोहित शर्मा, अंकित कौशिक, विजेन्द्र कौशिक, पवन पराशर, प्रमोद भारद्वाज और ज्ञानेश्वर शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां कई दिनों से चल रही थीं और इसमें क्षेत्रवासियों का पूरा सहयोग मिला। वहीं, समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि आयोजन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रदेश की प्रगति के लिए महिलाओं का स्वस्थ होना जरूरी : शिखा

कुरुक्षेत्र, 19 अप्रैल (करणदीप सिंह) : जिला खेल विभाग की खो खो कोच शिखा ने कहा कि प्रदेश की प्रगति के लिए महिलाओं का स्वस्थ होना जरूरी है। इसलिए भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की ज़रूरी है। प्रशिक्षक शिखा ने भारतीय खेल प्राधिकरण की तरफ़ रविवार को आयोजित साइक्लोथॉन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले प्रशिक्षक शिखा, सेवानिवृत्त साई चीफ हॉकी कोच गुरविंद्र सिंह, सेवानिवृत्त डीएसओ यशवीर सिंह, हॉकी कोच नरेंद्र ठाकुर, समाजसेवी नरेश सैनी ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों ने कई किलोमीटर साइकिल चलाई। कोच शिखा ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत के क्षेत्रीय निदेशिका रीतू पतीक आदेशानुसार व सहायक निदेशक विजय मनचंदा के मार्गदर्शन में युवाओं को शामिल कर साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस साइक्लोथॉन का आयोजन करते हुए एक साल से ज़्यादा समय हो चुका है। इस लक्ष्य है कि लोगों को फिट रहने के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि साई की तरफ़ से निकाली जा रहीं साइकलोथान में हर वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर सेवानिवृत्त हॉकी चीफ कोच गुरविंद्र सिंह, हॉकी कोच नरेंद्र ठाकुर, हॉकी कोच सोहन लाल, समाजसेवी विनोद गर्ग, वीरभान सिंह, नरेश सैनी, विक्रम आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलकर समाज में सदाचार और न्याय की स्थापना करें : डीडी शर्मा

शाहाबाद मारकंडा,19 अप्रैल (रूबी): रविवार को पंचायत ब्राह्मानान शाहाबाद द्वारा श्री हरमिलापी कृष्णा मंदिर धर्मशाला में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पंडित रविंद्र मधुर व पंडित चिराग द्वारा भजन संकीर्तन किया गया। भजनीकों ने भगवान परशुराम के गुणों का गुणगान कर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

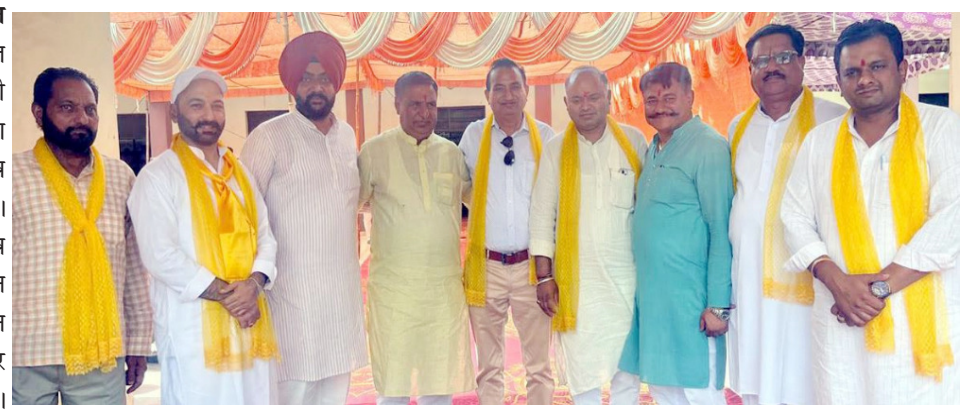

इस पावन अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति डालकर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें सहयोग करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्यातिथि समाजसेवी जय भगवान शर्मा डीडी, समाजसेवी सुभाष कलसाना, सिद्धार्थ अस्तपाल के संचालक डा. दीपक शर्मा, लाईफ केयर अस्तपाल के संचालक डा. नितिन शर्मा रहे। वशिष्ठ अतिथि पंडित महेंद्र शर्मा छपरी, पंडित प्रदीप शर्मा, पूर्व नपा प्रधान हरीश कवातरा, आरआर प्रॉपर्टी के संचालक राजेश चावला व राज सतीजा रहे। मुख्यातिथि जयभगवान शर्मा डीडी ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। जयभगवान डीडी शर्मा ने बताया कि परशुराम जी भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं और उन्होंने अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर धर्म की रक्षा की। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलकर समाज में सदाचार और न्याय की स्थापना करें। पंचायत ब्राह्मानान के प्रधान कुलवंत शर्मा, चेयरमैन अशोक वत्स, वाईस चेयरमैन रविन्द्र शर्मा, उपप्रधान ललित भार्गव, उपप्रधान राजेश शर्मा, महासचिव सुरेन्द्र शर्मा, पीयूष राव सचिव, अंशुमन गौड़ कोषाध्यक्ष, सहकोषाध्यक्ष पंकज वत्स, नवीन शर्मा, विपिन शर्मा, ऋषि राज, कुलदीप राय सदस्य, प्रकल्प प्रमुख राजेंद्र शर्मा यारा ने मुख्यातिथि जय भगवान शर्मा डीडी, सुभाष कलसाना, डा. दीपक शर्मा, डा. नितिन शर्मा, विशिष्ट अतिथि पंडित महेंद्र शर्मा छपरी, पंडित प्रदीप शर्मा, पूर्व नपा प्रधान हरीश कवातरा, राजेश चावला व राज सतीजा को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया। सदस्यों द्वारा डा.तरसेम शर्मा यारा, संजीव शर्मा सरपंच जंधेड़ी, कृष्ण श्मा डीग पूर्व सरपंच, पार्षद मीनाक्षी शर्मा, पार्षद रीतू शर्मा, पूर्व पार्षद निशा भार्गव, शोभा शर्मा सरपंच यारा, पार्षद डा. प्रवीण शर्मा को भी सम्मानित किया गया। मंच का संचालन पीयूष राव ने किया। कार्यक्रम उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर डा. छवि प्रकाश, पार्षद दीपक महंत, पूर्व न.पा. प्रधान बलदेवराज चावला, पार्षद अमित सिंघल, कर्णराज तूर, सूबे सिंह त्यौड़ी, डा. एचके धीमान, प्रभजीत तनेजा, काला आहुजा, गगन चंडोक आदि मौजूद थे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संसद में उठाने को लेकर विधायक को सौंपा मांग पत्र

शाहाबाद मारकंडा, 19 अप्रैल (रूबी): हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ (रजि.) संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्ज फैडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्यों ने जिला प्रैस सचिव मनीष जिंदल एवं ब्लॉक प्रधान हरकेश शर्मा की अध्यक्षता में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) संसद में उठाने को लेकर विधायक रामकरण से उनके कार्यालय में मिले। जानकारी देते हुए संघ के ब्लॉक प्रधान हरकेश शर्मा ने

बताया कि शिक्षक पात्रता परीक्षा संसद में उठाने और भारत सरकार के समक्ष आर.टी.ई. अधिनियम, 2009 में संशोधन हेतु निवेदन करने का तत्काल अनुरोध - 23.08.2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को अनिवार्य टी.ई.टी. से पूर्ण छूट प्रदान करने बारे सदस्यों ने विधायक रामकरण को मांग पत्र दिया। उन्होंने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने 1 सितंबर, 2025 को सिविल अपील संख्या 1385/2025 में अपने फैसले में कहा है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण करना उन शिक्षकों के लिए भी अनिवार्य है जिनकी नियुक्ति 23 अगस्त, 2010 (एन.सी.टी.ई. अधिसूचना की तिथि से पहले हुई थी। इससे पहले, एन.सी.टी.ई. ने ऐसे सभी शिक्षकों को टी.ई.टी. से पूर्ण रूप से छूट दी थी। वर्तमान फैसले के अनुसार, जिन सेवारत शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से अधिक शेष है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर टी.ई.टी. उत्तीर्ण करना अनिवार्य है,अन्यथा उन्हें बर्खास्तगी या जिनकी सेवा अवधि पांच वर्ष से कम शेष है, पदोन्नति से वंचित किया जा सकता है। पूरे देश में हजारों अनुभवी शिक्षक, जिनकी भर्ती 2010 से पहले के नियमों के अनुसार ही हुई थी, ने 15-30 वर्षों तक निष्ठापूर्वक सेवा की है, जिनमें से कई ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत हैं। एक नई योग्यता लागू करने से अत्यधिक कठिनाई, मानसिक पीड़ा और नौकरी खोने का भय उत्पन्न हो गया है। इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी होगी तथा प्रत्येक हल्के में हजारों शिक्षकों को रोजगार से हाथ धोना पडेगा प्रधान ने कहा कि संसद के आगामी सत्र में इस ज्वलंत मुद्दे को उठाएँ। इन वरिष्ठ शिक्षकों के संरक्षण के लिए, राज्य सरकार स्वयं पुनर्विचार याचिका दायर करे तथा केंद्र सरकार से सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने का आग्रह करें। विधायक रामकरण ने आश्वासन दिया कि वह उनकी मांग को उठाने का प्रयास करेगें। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह, मुकेश वर्मा, गंगाधर शर्मा, विनोद बजाज, स्वर्ण सिंह, शेर सिंह, जसविंद्र सिंह, विनोद मालड़ा सहित अनेक अध्यापक उपस्थित थे।

जिले में एलपीजी गैस,पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य : नरेश कुमार

-किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें नागरिक, जिले में 4 टीमों ने 88 सिलेंडरों को किया जब्त

कुरुक्षेत्र, 19 अप्रैल (सुदेश कुमार) : जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने जिले वासियों से अपील की है कि घबराहट में ईंधन की अनावश्यक खरीदारी न करें। पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण केवल आवश्यकता अनुसार ही खरीदारी करें, ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे। जिला में एलपीजी गैस, पेट्रोल व डीजल आदि सभी

पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कमी को लेकर अफवाह फैलाने, जमाखोरी या ब्लैक मार्केटिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा लगातार पेट्रोल पंपों व गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया जा रहा है और सप्लाई चेन की निगरानी की जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। गैस के मामले में आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसी भी समस्या के लिए 01744-294418 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला में 3 कंपनियों की 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। जिला में ईंधन की कोई कमी नहीं है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने कहा कि जिले में उपमंडल स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने 153 स्थानों पर छापेमारी की है। इनमें से 88 गैस सिलेंडरों का जब्त किया गया है।

सिक्किम के सीएम का दिल्ली विधानसभा की एनएलआइ पहल को समर्थन

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) दिल्ली विधानसभा के नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स (एनएलआइ) पहल को प्रस्ताव को समर्थन की शुरुआत हो गई है। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने प्रस्तावित नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स (एनएलआइ) के प्रति अपना समर्थन जताया है। यह पहल देश की सभी विधानसभाओं के कामकाज को एक समान तरीके से परखने और उसे बेहतर बनाने के लिए है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को लिखे पत्र में उन्होंने इस पहल को दूरदर्शी और उपयोगी बताया। साथ ही, उन्होंने विधायी संस्थाओं को मजबूत बनाने की दिशा में इस महत्वपूर्ण कदम के लिए दिल्ली विधानसभा को बधाई दी। बता दें कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता द्वारा नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स (एनएलआइ) का प्रस्ताव दिया गया है। यह एक संरचित एवं तुलनात्मक ढांचा है, जिसके माध्यम से विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के कार्य-प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। इसमें बैठकें, कार्य घंटे, बहस का लाभ तथा समितियों की प्रभावशीलता जैसे मानकों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता, आत्म-मूल्यांकन, सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने तथा विधानसभाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस प्रस्ताव पर पहले ही समिति को बनाने की बात कह चुके हैं। तमांग ने विधानसभा को भेजे गए पत्र में कहा है कि पारदर्शिता और नवीनताओं जैसे मानकों पर विधानसभाओं का आकलन करना समय की मांग है। उन्होंने जोर दिया कि भविष्य के अनुरूप और अधिक उत्तरदायी बनने के लिए विधायी संस्थाओं को डेटा-आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

दुष्कर्म केस में सीबीआइ अधिकारी आरोपमुक्त, कोर्ट ने शिकायतकर्ता को भेजा नोटिस

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दुष्कर्म के आरोपों का सामना कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) के एक अधिकारी को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले में शिकायतकर्ता के बयानों में गंभीर विरोधाभास पाते हुए यह फैसला सुनाया। साथ ही, अदालत ने शिकायतकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि उसके खिलाफ झूठा बयान देने के लिए कार्रवाई क्यों न की जाए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीप्ति देवेश ने कहा कि शिकायतकर्ता ने अलग-अलग चरणों में अपने बयान बदले, जिससे उसके आरोपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष के दावों और उपलब्ध साक्ष्यों के बीच स्पष्ट असंगति भी दर्ज की। कोर्ट ने कालोनी के सीसीटीवी को महत्वपूर्ण साक्ष्य बताते हुए कहा कि इसमें आरोपित और शिकायतकर्ता एक साथ आते-जाते देखे गया। कोर्ट के अनुसार यह फुटेज हिंसक घटना के दावे से मेल नहीं खाता और आरोपित के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला भी स्थापित नहीं होता। अदालत ने कहा कि अभियोजन सिर्फ संदेह से आगे बढ़कर गंभीर संदेह तक पहुंचने में विफल रहा है। उपलब्ध सामग्री के आधार पर दो संभावित दृष्टिकोण बनते हैं, ऐसे में आरोप तय करने के इस चरण पर आरोपित के पक्ष में निर्णय लिया जाना चाहिए।

सिम्स का दवा वितरण केंद्र बना मरीजों के लिए राहत केंद्र

बिलासपुर 19 अप्रैल (निस) सिम्स चिकित्सालय में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दवा वितरण केंद्र को आधुनिक, सुव्यवस्थित और मरीज हितैषी स्वरूप प्रदान किया गया है। पूर्व में कमिश्नर एवं कलेक्टर महोदय के निर्देश पर दो नए काउंटर स्थापित किए गए थे, जिसके बाद अब यहां कुल पांच काउंटरों पर एक साथ पांच मरीजों अथवा उनके परिजनों को दवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस व्यवस्था से लंबी कतारों में उल्लेखनीय कमी आई है और लोगों को तेज, सरल तथा व्यवस्थित सेवा मिल रही है। भीषण गर्मी को देखते हुए दवा वितरण कक्ष को पूर्णतः वातानुकूलित किया गया है। यहां दो नए एसी लगाए गए हैं, साथ ही फॉल सीलिंग के माध्यम से पूरे कक्ष का तापमान संतुलित और आरामदायक बनाया गया है। इसके अतिरिक्त प्रतीक्षा कर रहे मरीजों एवं परिजनों के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधा वाटर फिल्टर के साथ उपलब्ध कराई गई है, जिससे उन्हें गर्मी के बीच ठंडा और शुद्ध पानी आसानी से मिल सके। इस समग्र व्यवस्था ने दवा वितरण केंद्र को वास्तव में एक राहत केंद्र का स्वरूप दे दिया है। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि मरीजों को बेहतर, त्वरित और सम्मानजनक सेवा उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। पांच काउंटरों पर समानांतर दवा वितरण, वातानुकूलित कक्ष और स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाएं मरीजों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने बताया कि दवा वितरण केंद्र में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्व में दो नए काउंटर बनाए गए थे, जिससे अब कुल पांच काउंटरों पर तेजी से दवा वितरण हो रहा है। एसी, फॉल सीलिंग और वाटर फिल्टर सहित स्वच्छ पेयजल सुविधा से मरीजों एवं उनके परिजनों को गर्मी में विशेष राहत मिल रही है। दवा लेने आए मरीजों के परिजनों ने इस व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि पहले लंबी लाइन, गर्मी और पानी की असुविधा के कारण काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब पांच काउंटरों पर जल्दी दवा मिल जाती है। एसी के कारण गर्मी से राहत है और वाटर फिल्टर से स्वच्छ ठंडा पानी मिलने से इंतजार करना भी आसान हो गया है।

दिल्ली में तीन लाख शादियों में होगा 50 हजार करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) अक्षय तृतीया के साथ रविवार से दिल्ली और देश में शादियों का सीजन शुरू हो गया है, 19 अप्रैल से 13 जुलाई तक शादियों के 28 शुभ मुहूर्त हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध से करीब दो माह की बंदी से जूझ रहे व्यापारी जगत को अब शादियों के मौसम के साथ कारोबार मे तेजी की उम्मीद है। एक अनुमान के अनुसार, इस बार शादियों के सीजन में देशभर में 35 लाख से अधिक विवाह उत्सव का अनुमान है जिससे कि देश भर में तीन लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है।

वस्त्र, ज्वैलरी, हस्तशिल्प, पैकेजिंग और ढुलाई जैसे एमएसएमई क्षेत्रों को भी मौसमी बढ़ावा मिलेगा। शादी के खर्च को सामान और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है जिसमें मुख्य रूप से वस्त्र, साड़ियां, लहंगे, और अन्य परिधान पर 10 प्रतिशत, आभूषण 15 प्रतिशत, इलेक्ट्रानिक्स, बिजली उपकरण, और उपभोक्ता उपयोग में पांच प्रतिशत, सूखे मेवे, मिठाइयां व स्नैक्स में पांच प्रतिशत, किराना और सब्जियां पांच प्रतिशत, उपहार आइटम्स चार प्रतिशत, तथा अन्य वस्तुओं पर छह प्रतिशत का अमूमन खर्च होता है। वहीं, दूसरी ओर शादियां में सेवा क्षेत्र में बैंक्वेट हाल, होटल और शादी के स्थल पांच प्रतिशत, इवेंट प्रबंधन में तीन, टेंट सजावट में 10, केटरिंग व सेवाएं 10, फूल सजावट चार, परिवहन और कैब सेवाएं तीन, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी दो, आर्केस्ट्रा, संगीत समेत अन्य में खर्च है। चांदनी चौक, सदर बाजार, कूचा महाजनी, किनारी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, कमला नगर, करोल बाग, लाजपत नगर, सरोजिनी नगर, राजौरी गार्डन, साउथ एक्सटेंशन आदि बाजारों में कपड़े, लहंगे, साड़ी, सूट, ज्वेलरी, उपहार के आइटम, सजावटी सामान, मिठाइयां, ड्राई फरूट्स, शादी कार्ड्स, गोटा जरी, फुटवियर, सौंदर्य प्रसाधन समेत अन्य सामान की दुकानों में चहल पहल देखी जा रही हैं।

सरोजिनी नगर के भारत बिजनेस पार्क में 5779 करोड़ रुपये की डील

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) एनबीसीसी ने ई-नीलामी के माध्यम से सरोजनी नगर स्थित भारत बिजनेस पार्क में 14 लाख वर्ग फीट व्यावसायिक स्थान 5779 करोड़ रुपये में बेचने में सफल रहा है। एनबीसीसी को विक्री मूल्य का एक प्रतिशत विपणन शुल्क मिलेगा। इसका उपयोग नौरोजी नगर, सरोजिनी नगर, नेताजी नगर, मोतीबाग व अन्य स्थानों पर चल रही सरकारी पुनर्विकास परियोजनाओं में होगा। एनबीसीसी ने स्टाक एक्सचेंज को ई-नीलामी की जानकारी दी है। ई-नीलामी में आठ टावरों में फैले 23.44 लाख वर्ग फीट के निर्मित क्षेत्र की बिक्री की पेशकश की गई थी। इस नीलामी में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बहुराष्ट्रीय कंपनियों, कारपोरेट और संस्थागत खरीदारों की और से अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली। पांच टावरों में नीलाम किए गए लगभग 14 लाख वर्ग फीट के निर्मित क्षेत्र से 5779 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। ई-नीलामी में औसत बिक्री दर 41,207 रुपये प्रति वर्ग फीट दर्ज की गई, जो आरक्षित मूल्य से पांच प्रतिशत अधिक है। एनबीसीसी का कहना है कि इस ई-नीलामी के जरिये मिले धन का उपयोग विभिन्न चल रहे पुनर्विकास कार्यों के वित्तपोषण, परियोजनाओं को समय से पूरा करने और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

जिहाद के नाम पर युवाओं को उकसाया

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) गिरफ्तार चार आतंकियों में से एक शेख रहमान नवंबर 2025 में दिल्ली में धमाके के अगले ही माह लाल किला की रेकी करने पहुंचा था। लाल किला के साथ वह इंडिया गेट भी पहुंचा था। आशंका है कि वह कई संवेदनशील स्थानों की रेकी कर चुका है। युवाओं को आतंकी बनाने के लिए लाल किले की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें लाल किला के ऊपर एडिटेड काला झंडा लगा था। पुलिस के मुताबिक, चारों आतंकियों के काम बंटे हुए थे। भुवनेश्वर से पढ़ाई करने के बाद इसने सिक्योरिटी गार्ड व डिलीवरी ब्वॉय के रूप में काम किया। 2024 में इसने तारिक जमील, इसरार अहमद, जाकिर नाइक आदि के लेक्चर सुनना शुरू किया, जिससे धीरे-धीरे उसमें कट्टरपंथी विचार पनपने लगे। सोशल मीडिया के जरिये उसकी मुलाकात मोहम्मद हम्माद व मोसैब अहमद उर्फ़ सोनू से हुई। सभी ने एक ग्रुप बनाया, जिसमें जिहाद, खिलाफत व गजवा-ए-हिंद जैसे विषयों पर चर्चाएं होती थीं। उन्होंने राम मंदिर, संसद व सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की साजिशों पर बात की।

राज्यपाल ने दी मंजूरी...

पृष्ठ एक का शेष ...सिंह संधवां-- पंजाब विधानसभा स्पीकर सरदार कुलतार सिंह संधवां ने बड़ी खुशी के साथ बताया कि पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल 2026 को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि यह बेअदबी विरोधी बिल 13 अप्रैल, 2026 को पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी अगुवाई में पंजाब विधानसभा द्वारा पास किया गया था। स्पीकर संधवां ने बताया कि इस बेअदबी विरोधी अधिनियम के तहत श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने पर उम्र कैद और भारी जुर्माने की व्यवस्था है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि परमात्मा ने मुझे धार्मिक सुरक्षा और भाईचारे की साझेदारी को बढ़ावा देने का मौका दिया है। इस बिल के माध्यम से हमारी सरकार ने धार्मिक बेअदबी से संबंधित पंजाबियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी कर दी है।

अभिषेक बैनर्जी...पर मूलधन और ब्याज सहित हिसाब चुकता卐 होगा। इस बयान को राजनीतिक जवाबी कार्रवाई के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, भाजपा पहले ही आरोप लगा चुकी है कि टीएमसी के शासन में उसके कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया। अभिषेक ने इस चुनाव को दिल्ली की सत्ता बनाम बंगाल के लोग की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्र की शक्तिशाली सरकार और उसके संसाधन हैं, जबकि दूसरी तरफ बंगाल के करोड़ों लोग और एक साधारण महिला ममता जी खड़ी हैं। उन्होंने भाजपा पर अपमान करने का आरोप लगाया। आरोप लगाया कि वह बंगालियों को 'बांग्लादेशी' कहकर और उनके खान-पान पर टिप्पणी करके उनका अपमान कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्लीवालों के लिए अच्छी खबर, बेहतर हुई एयर क्वालिटी

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश के बाद शनिवार को पूरे दिन धूप निकली रही। न्यूनतम तापमान में कुछ गिरावट हुई, लेकिन धूप निकलने और उमस के कारण लोगों को गर्मी महसूस हुई। वहीं, वर्षा से राजधानी की हवा पिछले दिनों की तुलना में कुछ साफ हुई है। सुबह इस सीजन का सबसे न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस था। शनिवार सुबह यह 19.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। लेकिन, धूप निकलने के कारण अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रविवार को भी इसी तरह का मौसम रहेगा। आंशिक रूप से बादल छाने का अनुमान है। छिटपुट बूंदाबांदी संभव है। वर्षा के कारण दिल्ली की हवा की गुणवत्ता सुधरी है। 15 अप्रैल से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) खराब श्रेणी में थी, लेकिन शनिवार को इसमें सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को दिल्ली का एक्यूआइ 152 यानी मध्यम श्रेणी में रहा।

अब दिल्ली में एंट्री करने पर लगेगा ज्यादा शुल्क, चुकाने पड़ेंगे 1400 रुपये तक एक्स्ट्रा

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली में बड़े व्यावसायिक वाहनों से व्यवसाय करना महंगा हो गया है। एमसीडी ने व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश के लिए लगने वाले टोल में पर्यावरण क्षतिपूर्ण शुल्क (ईसीसी) की दरों में वृद्धि की है। इसमें दो एक्सएल और तीन व चार एक्सएल वाले वाहनों में बढ़ोत्तरी की गई है। निगम के जारी आदेश के अनुसार, श्रेणी दो के तहत आने वाले ट्रकों की दर पहले जहां 1400 रुपये थी, जिसे बढ़ाकर 2000 कर दिया है। इसी प्रकार तीन और चार एक्सएल वाले ट्रकों पर दिल्ली में प्रवेश के लिए 2600 रुपये का ईसीसी लगता था, जिसे बढ़ाकर 4000 कर दिया गया है। दिल्ली में ईसीसी शुल्क पर्यावरण पर होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए लिया जाता है। टोल नाकों पर इसे एमसीडी वसूलती है। जिसे एक विशेष खाते में दिल्ली सरकार को जमा किया जाता है।

दिल्ली में महिला सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, राजधानी को बनाएंगे भयमुक्त

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) राजधानी की सड़कें दिन ही नहीं रात में भी महिलाओं के लिए सुरक्षित हों। सिनेमा देखना हो या घूमना, जब किसी की बेटी या बहन बाहर निकले तो डर या हिचक का नामो-निशान न हो। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए दिल्ली को भयमुक्त बनाने के लिए हर जतन किए जाएंगे। यह बातें डीडीए पुरातात्विक पार्क महरौली में आयोजित विरासत सप्ताह से समापन कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत में उपराज्यपाल संधू ने कही। उन्होंने कालेज के दिनों के संस्मरण भी सुनाए। बताया पढ़ाई के दिनों में इंग्लैंड की सहपाठी के साथ रात 12 बजे फिल्म देखकर लौटते थे।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।

PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

दिल्ली में क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों से घरों में पहुंच रहा दूषित पानी

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) नई दिल्ली व मध्य दिल्ली के विभिन्न इलाकों में दूषित पानी की आपूर्ति से स्थानीय निवासी काफी परेशान हैं। पंचकुइयां रोड स्थित डबल स्टोरी क्वार्टर और किशनगंज स्थित स्वामी दयानंद कालोनी में पानी आपूर्ति की स्थिति एक सी है। दोनों इलाकों में करीब 15 दिन से नलों में काला और कीचड़युक्त पानी आ रहा है। दूषित पानी के कारण कालोनी में त्वचा और पेट संबंधी संक्रमण फैलने का डर बना हुआ है। स्वामी दयानंद कालोनी की स्थानीय निवासी कृष्णा मित्रा ने बताया कि नल से आने वाला पानी इतना बदबूदार और दूषित है कि इसे पीने की बात तो छोड़िए, घर के दैनिक कार्यों (नहाने-धोने) में भी उपयोग करना मुश्किल है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के चलते लोग टैंकर वाला पानी खरीदकर काम करने को मजबूर है। आलम यह है कि लोग गर्मी शुरू होने के साथ ही पानी के लिए भटक रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर दिल्ली सरकार, दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी और सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पत्र लिखकर शिकायत की है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। वहीं, आरडब्ल्यूए फेडरेशन के अध्यक्ष प्रीतम धारीवाल ने बताया कि पंचकुइयां रोड स्थित डबल स्टोरी क्वार्टर में कुल 750 परिवार रहते हैं। जो जल संकट की समस्या से जूझ रहे हैं। इसका मुख्य कारण सीवर और पानी की लगभग 95 साल पुरानी पाइप लाइनें है।

जो जर्जर हो चुकी हो चुकी है। इस कारण सीवर का दूषित पानी घरों में मिक्स होकर आपूर्ति हो रहा है। निवासियों के अनुसार, बार-बार शिकायत के बावजूद विभाग सुध नहीं ले रहा है।

ऑनलाइन टास्क ठगी गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) पार्ट टाइम नौकरी के नाम पर ऑनलाइन टास्क देकर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दे ठगी करने वाले गिरोह का उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस की टीम ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार दिन तक चले आपरेशन के बाद लुधियाना और दिल्ली में छापेमारी कर दो जालसाजों को दबोचा है। आरोपितों ने हाल ही में पीड़ित से मुनाफा कमाने का लालच देकर 1.46 लाख ठगे थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लुधियाना के मनीष और पुनीत शर्मा के रूप में हुई है। इनके कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक पासबुक बरामद हुई है। पुलिस इनसे पूछताछ कर ठगी में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, पीड़ित पंकज द्विवेदी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई कि उनसे 1 लाख 46 हजार की ठगी की गई। उन्हें टेलीग्राम के जरिए गूगल होटल रेटिंग और रिव्यू से जुड़े पार्ट-टाइम जॉब का ऑफर मिला। शुरुआत में छोटे टास्क देकर 125 कमाने का मौका दिया गया, जिससे उनका विश्वास जीता गया। इसके बाद प्रीपेड टास्क के नाम पर निवेश करवाया गया। पहले एक हजार रुपये निवेश करने पर 1,300 रुपये वापस मिले, जिससे भरोसा और बढ़ा। फिर उनसे 20 हजार और 30 हजार तक निवेश करवाया गया। बाद में पैसे निकालने के लिए फाइनेंशियल डिपार्टमेंट और रिस्क डिपार्टमेंट के नाम पर बार-बार अतिरिक्त रकम मांगी गई। फिर 1.65 लाख और जमा करने को कहा गया, तब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने पर सोनिया गांधी के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली 19 अप्रैल (निस) दिल्ली की एक अदालत आज वोटर सूची में नाम शामिल किए जाने से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से पहले उनका नाम कथित तौर पर मतदाता सूची में शामिल किया गया। मामले की सुनवाई राउज एवेन्यू कोर्ट में होनी है। इससे पहले 30 मार्च को अदालत ने आंशिक सुनवाई के बाद मामले को 18 अप्रैल तक स्थगित कर दिया था, ताकि बचाव पक्ष अपनी दलीलें पूरी कर सके। यह पुनरीक्षण याचिका अधिवक्ता विकास त्रिपाठी द्वारा दायर की गई है, जिसमें एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई है कि यह मामला एक विदेशी नागरिक द्वारा कथित रूप से गलत घोषणा करने से जुड़ा है और बिना फर्जी दस्तावेजों के ऐसा संभव नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता ने अदालत में मतदाता सूची की प्रमाणित प्रतियां पेश करते हुए दावा किया कि प्रथम दृष्टया फर्जी घोषणा का मामला बनता है, जिसकी जांच जरूरी है। हालांकि, सोनिया गांधी की ओर से दलीलें अभी पूरी नहीं हो सकी हैं और अगली सुनवाई में जारी रहेंगी।

बिल नाकाम रहने के बाद भाजपा के प्रहार तेज, विपक्ष महिला विरोधी....अमितशाह

पृष्ठ एक का शेष ... आगे बढ़ाने पर है। शाह ने कहा कि पहले करुणानिधि, फिर स्टालिन और अब उनका बेटा—ऐसी वंशवादी राजनीति तमिलनाडु ही नहीं लोकतंत्र के लिए भी ठीक नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य में कानून-व्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर भी डीएमके सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यदि राज्य में अन्नाद्रमुक और भाजपा की सरकार बनती है, तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाएगा और कानून-व्यवस्था में सुधार होगा। शाह ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु की खोई हुई गरिमा को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य के विकास को नई दिशा दी जाएगी।

विपक्ष रोड़े अटका रहा-सीएम सैनी....महिलाओं को उनका पूरा राजनीतिक अधिकार मिल गया, उसी दिन इनकी परिवारवाद की राजनीति खत्म हो जाएगी। महिलाओं के सशक्तिकरण से सबसे बड़ा खतरा उन दलों को है, जिन्होंने दशकों तक महिलाओं को केवल वोट बैंक समझा, लेकिन नेतृत्व का अधिकार नहीं दिया।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल दिखावा किया। समितियां बनाई, बहाने बनाए, लेकिन कभी महिलाओं को उनका अधिकार नहीं दिया। दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं को सम्मान दिया। लेकिन जब उसे लागू करने की घड़ी आई, तब विपक्ष का असली महिला विरोधी चेहरा सामने आ गया।उन्होंने कहा कि विपक्ष ने परिसीमन के नाम पर झूठ और भ्रम फैलाया, कहा गया कि इससे कुछ राज्यों को नुकसान होगा। लेकिन गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संसद में तथ्यों के साथ स्पष्ट कर दिया कि किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। सीटों में समान वृद्धि होगी, सभी राज्यों का संतुलन बना रहेगा। फिर भी विपक्षी नेता लगातार झूठ बोलते रहे, क्योंकि उनका उद्देश्य महिलाओं को अधिकार देना नहीं, बल्कि स्वार्थ की राजनीति करना है।